RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 254 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 12-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 योगी आदित्यनाथ ने मियांपुर गांव का नाम बदलकर रवींद्र नगर करने की घोषणा की

6 राइफलमैन ज़ाहिद अबास मीर : गोलियों की बौछार झेलकर बचाई साथी जवानों की जान

7 मेकअप में और खराब लगती हूं : नेहा शर्मा

फर्स्ट टेक

पंजाब सरकार ने संशोधित बेअदबी कानून को मंजूरी दी, कड़ी सजा का प्रावधान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब मंत्रिमंडल ने शनिवार को बेअदबी से संबंधित कानून में कड़े संशोधन को मंजूरी दे दी, जिसमें आजीवन कारावास समेत कठोर सजाओं का प्रावधान है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी गई, जिसमें 'बेअदबी' की घटनाओं को रोकने और गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता को बनाए रखने के लिए सजा बढ़ाने का प्रस्ताव है, जिसमें आजीवन कारावास की सजी शामिल है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कदम अतीत में हुई बेअदबी की उन घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है, जिनसे जनभावना को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक सद्भाव भंग हुआ है। इसमें कहा गया है कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 के मौजूदा प्रावधानों में पर्याप्त कठोर दंड का प्रावधान नहीं है। संशोधित विधेयक सोमवार को विधानसभा में पेश किया जाएगा।

इराक में कुर्द राजनेता निजार अमीदी राष्ट्रपति चुने गए

बगदाद/एपी। इराक की संसद ने शनिवार को देश की दो प्रमुख कुर्द पार्टियों में से एक के राजनीतिक अधिकारी निजार अमीदी को राष्ट्रपति के रूप में चुना। यह चुनाव पांच महीने पहले हुए संसदीय चुनाव के बाद हुआ है, जिसमें किसी भी पार्टी को निर्णायक बहुमत नहीं मिला था। उनका चुनाव ऐसे समय में हुआ है जब इराक अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए युद्ध के दुष्परिणामों से जूझ रहा है। इराक भी इस संघर्ष में फंसा है जहां ईरान समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी ठिकानों और राजनयिक सुविधाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचनाओं पर हमले किए। वहीं, अमेरिका और इजराइल ने ईरान समर्थित लड़ाकों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिनमें से कुछ में इराकी सेना के जवान मारे गए।

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना शुरू किया : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ईरान की सेना तबाह हो चुकी है और अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना शुरू कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिसका उपयोग ईरान दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए करता है। पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित बारूदी सुरंगों के इस्तेमाल का जिक्र कर रहे थे।

12-04-2026 सूर्यास्त 6:21 बजे | 13-04-2026 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
77,550.25 (+918.60)	24,050.60 (+275.50)

सोना	चांदी
15,377 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	252,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता जो सिकंदर

परिवर्तित परिणाम हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र में चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले पर,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया कि

कांग्रेस शासित राज्यों में 'लव जिहाद' के मामले बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़ (कर्नाटक)/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्यों में 'लव जिहाद' के मामले बढ़ रहे हैं। जोशी ने कर्नाटक सरकार से इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसी घटनाओं के पीछे एक 'संगठित गिरोह' का हाथ है।

हुबली 'लव जिहाद' घटना से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में जोशी ने कहा, ''यह हर जगह हो रहा है और ऐसा लगता है कि इसके पीछे एक संगठित गिरोह है। जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां ऐसे मामले बढ़ रहे हैं। सरकार को इसपर गंभीरता से विचार करना चाहिए और लोगों को इसके खिलाफ सड़कों पर उतरने से रोकना चाहिए।''

हाल ही में हुबली में हिंदू कार्यकर्ताओं और एक लड़की के परिवार के परिजनों ने आरोप लगाया कि जिम के एक प्रशिक्षक ने 'लव जिहाद' का प्रयास किया और लड़की का यौन उत्पीड़न किया।

'लव जिहाद' शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी समूह यह आरोप लगाने के लिए करते हैं कि मुस्लिम पुरुष प्रेम और विवाह के जाल में हिंदू महिलाओं को फंसाने की साजिश रचते हैं ताकि धर्मांतरण करके वे इस्लाम धर्म अपना लें।

धारवाड़ में युवा कांग्रेस नेता की हत्या पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री एवं इस क्षेत्र के सांसद जोशी ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। उन्होंने कहा, ''राज्य में कानून व्यवस्था की गंभीर समस्या है।

तृणमूल कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति का प्रधानमंत्री ने लगाया आरोप

यूसीसी लागू करेगी भाजपा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जंगीपुर (प. बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ''तुष्टीकरण की राजनीति'' को समाप्त करने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का शनिवार को वादा किया। उन्होंने साथ ही कहा कि भाजपा बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने आगामी विधानसभा चुनावों को पश्चिम बंगाल की पहचान और भविष्य की रक्षा की लड़ाई के रूप में पेश किया, जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और ''घुसपैठियों के समर्थन'' का आरोप लगाया।

मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पार्टी का घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद कहा, ''देश की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा का संकल्प है कि पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की राजनीति को हमेशा के लिए समाप्त करने के वास्ते यूसीसी लागू किया जाये।''

राज्य के कई हिस्सों में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का दावा करते हुए, मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने अपना पुराना नारा 'मां-माटी-मानुष' त्याग दिया है और अब सत्ता बरकरार रखने के लिए घुसपैठियों और वोट बैंक की राजनीति पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस 'मां-माटी-मानुष' का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब वह घुसपैठियों के मतों से सरकार बनाना चाहती है। पश्चिम बंगाल अब तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगा। हम बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।''

महिला सशक्तीकरण और बाल कल्याण, मेरे दिल के बेहद करीब है : स्टालिन

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा है कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई कई कल्याणकारी पहलों में से दो योजना (महिलाओं को मासिक राशि प्रदान करने से जुड़ी योजना और 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना') उनके दिल के बेहद करीब हैं।

मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि जहां महिला सशक्तीकरण योजना, जिसे देश के अन्य राज्यों में भी अपनाया जा रहा है, इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई नाश्ता योजना के अनगिनत लाभ हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अपनी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे कई कल्याणकारी कार्यक्रमों में से उन योजनाओं का नाम बता सकते हैं जिनसे उन्हें अपार संतुष्टि मिली है। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''द्रविड़ मॉडल शासन में हमने जितनी भी योजनाएं लागू की हैं, वे सभी बहुत महत्वपूर्ण पहल हैं। हालांकि, मैं यह कहना चाहूंगा कि हमने कई योजनाएं लागू की हैं।

महाराष्ट्र में हिंगोली जिले के कई हिस्सों में 4.7 तीव्रता के भूकंप के झटके

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र के हिंगोली जिले के कुछ हिस्सों में शनिवार सुबह 4.7 तीव्रता का भूकंप आया, जबकि पड़ोसी नांदेड़ और परभणी जिलों के कुछ हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अभी तक किसी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर

अब केवल डिजिटल माध्यम से ही टोल संग्रह होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश भर के राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर शनिवार से सभी शुल्क भुगतान विशेष रूप से फास्टैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसे डिजिटल माध्यमों से ही लिए जा रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह कदम टोल संग्रह में दक्षता और पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बयान में कहा गया कि तमिलनाडु, केरल, असम और पश्चिम बंगाल के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में यह बदलाव अभी लागू नहीं किया गया है। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में इस समय विधानसभा चुनावों के कारण आदर्श आचार संहिता लागू है, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आशा भोसले को दिल का दौरा पड़ा, अस्पताल में भर्ती

मुंबई/भाषा। दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले को शनिवार शाम को दिल का दौरा पड़ने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों से यह जानकारी प्राप्त हुई। सूत्रों के अनुसार, 92 वर्षीय गायक को फेफड़ों से संबंधित समस्याएं भी थीं। आठ दशकों तक फैले अपने करियर में भोसले अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वह दिग्गज गायिका दिवंगत लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। भोसले के कुछ लोकप्रिय गानों में 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को', 'अभी ना जाओ छोड़ कर', 'इंतहा हो गई इंतजार की' आदि शामिल हैं।

पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और अन्य के परिसरों पर ईडी ने छापे मारे

नई दिल्ली/कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नए सिरे से शनिवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, जिन स्थानों पर तलाशी ली गई उनमें कोलकाता स्थित चटर्जी का आवास और इस मामले में जेल में बंद कथित बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय का घर शामिल हैं। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता चटर्जी 2011 में पार्टी के सत्ता में आने से पहले उसके महासचिव और प्रमुख रणनीतिकार रह चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षकों की भर्ती से जुड़े कथित घोटाले में पूछताछ के लिए चटर्जी के तीन बार उपस्थित नहीं होने के बाद की गई।

सैमसन और ओवरटन के शानदार खेल से

सुपरकिंग्स ने कैपिटल्स को हरा खोला जीत का खाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। संजू सैमसन की नाबाद शतकीय पारी के बाद जैमी ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर मौजूदा सत्र में पहली जीत का स्वाद चखा।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अपनी निराशाजनक शुरुआत को पीछे छोड़ते हुए सैमसन ने 56 गेंदों की नाबाद पारी में 15 चौकों और चार छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है।

सुपरकिंग्स ने दो विकेट पर 212 रन बनाने के बाद कैपिटल्स को आखिरी गेंद पर 189 रन पर ऑल आउट कर दिया और अपने घरेलू मैदान पर लगातार छह हार के बाद जीत दर्ज की।

अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत शुरू हुई : पाकिस्तान टीवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पश्चिम एशिया संघर्ष का स्थायी समाधान तलाशने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत शनिवार को आधिकारिक रूप से इस्लामाबाद में शुरू हुई। पाकिस्तान की सरकारी मीडिया और अधिकारी ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''शरीफ द्वारा अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों के साथ अलग-अलग बैठकें करने के बाद, ईरान और अमेरिका के बीच सीधी बातचीत का औपचारिक दौर शनिवार शाम को शुरू हुआ।''

पाकिस्तान टीवी ने खबर दी, ''ईरान और अमेरिका एक मेज पर बैठे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक शांति वार्ता इस्लामाबाद में शुरू हो गई है, जहां दोनों पक्ष तनाव बढ़ने के बाद पहली बार आमने-सामने बैठे हैं।''

पाकिस्तान टीवी ने बताया कि उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के आगमन, पाकिस्तान की प्रभावी कूटनीति और वैश्विक नेताओं के सकारात्मक बयानों ने क्षेत्र में युद्धविराम और स्थायी शांति की उम्मीदों को मजबूत किया है, जबकि दुनिया इन महत्वपूर्ण वार्ताओं के परिणाम पर बारीकी से नजर रख रही है।

ईरान के साथ बातचीत किस दिशा में जाएगी इसका अंदाजा नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप ने 'न्यूजनेशन' के साथ फोन पर दिए साक्षात्कार में पुष्टि की कि अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू हो गई है, हालांकि उन्हें नहीं पता कि यह बातचीत कितनी सफल हो सकती है। ट्रंप से जब पूछा गया कि बातचीत कैसे आगे बढ़ेगी तो उन्होंने कहा: मुझे कोई अंदाजा नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा कि क्या ईरान युद्ध का समाधान निकालने के बारे में ईमानदारी से काम कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में कहां-कहां बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं और सेना उन्हें हटाने के लिए उपकरण ला रही है।

सर्वशक्तिमान होने के भ्रम के कारण ईरान युद्ध को बढ़ावा मिल रहा है : पोप लियो

रोम/एपी। पोप लियो 14वें ने शनिवार को कहा कि सर्वशक्तिमान होने के भ्रम के कारण अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध को बढ़ावा मिल रहा है तथा नेताओं को शांति कायम करने के लिए मिलकर बातचीत करनी चाहिए। लियो ने सेंट पीटर बेसिलिका में शाम की प्रार्थना सभा के दौरान यह बात कही।अमेरिका में जन्मे इतिहास के पहले पोप ने वार्ता की घोषणा होने से पहले से निर्धारित इस सभा के दौरान अमेरिका या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया।

ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चार अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह के बीच नासा के 'आर्टेमिस-2' मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक चंद्र यात्रा पूरी करने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतर गए। यह 50 वर्षों से अधिक समय बाद चंद्रमा तक पहली मानव उड़ान है।

नासा के भारतीय मूल के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने सैन डिएगो तट के पास शुक्रवार को (पूर्वी समयानुसार 8:07 बजे) पृथ्वी पर वापसी के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''चंद्रमा तक जाने का रास्ता खुल गया है, लेकिन आगे का काम पीछे किए गए काम से कहीं अधिक बड़ा है।''

इस मिशन में शामिल कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन ने दिसंबर 1972 में हुए अपोलो 17 मिशन के बाद पहली बार चंद्रमा की यात्रा की।

उड़ान निदेशक रिक हेनफ्लिंग ने कहा कि आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री ''खुश और स्वस्थ हैं तथा ह्यूस्टन लौटने के लिए तैयार हैं।''

आर्टेमिस-2 पहला मानवयुक्त मिशन था जिसमें नासा के अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली रॉकेट और ओरियन क्रू मॉड्यूल का उपयोग किया गया, जिससे यह साबित हुआ कि एजेंसी का उपकरण अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर भेजकर सुरक्षित वापस ला सकता है।

अमित क्षत्रिय ने कहा, ''कल उड़ान निदेशक जेफ रेडिगन ने बताया था कि चंद्रमा तक ढाई लाख मील की दूरी तय करने के बाद लक्ष्य साधने के लिए हमारे पास एक डिग्री से भी कम का कोण था और टीम ने इसे सटीकता से हासिल किया। यह किस्मत नहीं, बल्कि एक हजार लोगों की मेहनत का नतीजा है।''

आर्टेमिस-2 ने कुल 7,00,237 मील की दूरी तय की और अधिकतम गति 24,664 मील प्रति घंटा रही। अब नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव उतारने और वहां एक बस्ती बनाने का है, जो भविष्य में मंगल और उससे आगे के मिशन के लिए 'लॉन्च पैड' बनेगा। यह चारों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए शानदार यात्रा रही, जिसमें चंद्रमा के उस हिस्से को भी देखा गया जिसे पहले कभी मानव ने नहीं देखा था।

कानूनों और अदालती आदेशों में स्पष्टता से उनका कार्यान्वयन आसान होगा: मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि न्याय, जीवन और कारोबार में सुगमता सुनिश्चित करने के लिए कानून को आसानी से समझना बेहद जरूरी है।

यहां 'न्यायिक प्रक्रिया पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने न्यायिक तंत्र के डिजिटलीकरण समेत विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित धन के समयबद्ध उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत भी मौजूद थे।

मेघवाल ने कहा कि जीवन में सुगमता, कारोबार में सुगमता और न्याय में सुगमता इन तीनों लक्ष्यों को हासिल करने के लिए लोगों को कानून, कानूनी दस्तावेजों और अदालत के आदेशों को समझने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानूनों, कानूनी दस्तावेजों और न्यायिक फैसलों में स्पष्टता से उनके क्रियान्वयन में आसानी आएगी।

मंत्री ने न्यायिक तंत्र के डिजिटलीकरण सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित धन के समय पर उपयोग की जरूरत दोहराई।

मेघवाल ने कहा कि भारतीय ई-कोर्ट प्रणाली की प्रगति भले ही धीमी लग सकती है, लेकिन इससे हितधारकों को हतोत्साहित नहीं होना चाहिए और इस दिशा में काम तेज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी ई-कोर्ट परियोजना का तीसरा चरण लागू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अदालतों के दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और अधीनस्थ न्यायपालिकाओं में डिजिटल ढांचे को उन्नत करना है।

सहज स्मृति योग

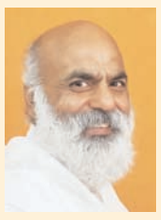

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, ये आध्यात्मिक लोग संसार से उदासीन क्यों हो जाते हैं ? हमें जिन चीजों में बड़ी रुचि होती है उन्हें उनमें कोई रुचि ही नहीं होती फिर वे संसार में हैं ही किसलिए ?

उत्तर: आपने देखा होगा कि खेल कोई भी हो चाहे शारीरिक, जैसे कबड्डी, क्रिकेट या चाहे मानसिक, जैसे फ़िल्म देखना, शतरंज खेलना, राजनीति करना आदि। ये सब ही संसार में मन या चित्त को लगाए रखने के निमित्त हैं, उससे मुक्त होने के नहीं। आध्यात्मिक व्यक्ति विशुद्ध बुद्धि प्रदत्त विवेक से चलते हुए गुरु कृपा प्राप्त होने पर तत्वज्ञान स्वरूप हो जाते हैं तो उन्हें स्पष्ट दिखने लगता है कि, जीवन या सृष्टि स्वयं ही एक लीला या खेल है इसलिए वे उदासीन हो जाते हैं। यदि व्यक्ति आध्यात्मिक न हो तो यही उदासीनता, निरर्थकता, ऊब और आलस को जन्म देती है और साहस न रहने से चारित्रिक पतन होता रहता है और व्यक्ति आध्यात्मिक हो तो वही उदासीनता निर्लिप्त भाव से जागतिक और पारमार्थिक दोनों उत्तरदायित्व एक साथ निर्वाह करने के लिए उसे निरंतर प्रेरित संकल्पित कर तैयार करती है। वे संसार में इसीलिए होते हैं कि सृष्टि में उनके माध्यम से अच्युत रूप से सम्बन्धों की और प्राथमिकताओं की व्यवहार के स्तर पर प्रतिष्ठा हो जाए।

उपराज्यपाल सिन्हा ने पदयात्रा कर मादक पदार्थ उन्मूलन की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को 'नशा मुक्त अभियान' के तहत हजारों लोगों की पदयात्रा का नेतृत्व किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों के इस्तेमाल के खिलाफ लड़ाई को ''संपूर्ण सरकारी'' दृष्टिकोण से आगे बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस सामाजिक बुराई से प्रभावी ढंग से निपटने और केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी विभागों और हितधारकों को साथ लेकर एक समन्वित तथा निरंतर अभियान चलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह पदयात्रा जम्मू के मौलाना आजाद स्टेडियम से शुरू हुई और डोगरा चौक, विवेकानंद चौक, रघुनाथ बाजार और सिटी चौक से होते हुए परेड ग्राउंड पर जाकर समाप्त हुई। करीब दो किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में लोगों में हाथों में तिरंगा लिए मादक पदार्थों के इस्तेमाल के खिलाफ नारे लगाए।

उपराज्यपाल ने कहा, आज हमने जम्मू के एमए स्टेडियम से नशामुक्त जम्मू कश्मीर के लिए ऐतिहासिक जन अभियान की शुरुआत की। हमने एक ऐसे संकल्प को आवाज़ दी है जो केंद्र शासित प्रदेश के हर गांव, कस्बे, शहर, घर और हर धड़कन तक पहुंचेगा तथा नशामुक्त क्षेत्र के वादे को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीने महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अभियान छह चरणों में बढ़ेगा जिसमें जागरूकता अभियान, युवा-केंद्रित कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता, सख्त प्रवर्तन, पुनर्वास और मूल्यांकन शामिल है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, ''हम जम्मू कश्मीर को मादक पदार्थों के खतरे से मुक्त करने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेंगे।''

न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी से कर्मचारी कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में न्यूनतम वेतन में हालिया वृद्धि के कारण लाखों कर्मचारी विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं के दायरे से बाहर हो सकते हैं। चौटाला ने कहा कि कई योजनाओं में पात्रता के लिए परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रु. से कम होना जरूरी है। लेकिन अब न्यूनतम वेतन सभी श्रेणियों में 15,000 रुपये प्रति माह से अधिक हो गया है, जिससे पंजीकृत कर्मचारियों की वार्षिक आय इस सीमा से ऊपर चली गई है और वे लाभ पाने के पात्र नहीं रहेंगे। बीपीएल राशन कार्ड, चिरायु हरियाणा के तहत मुफ्त इलाज, दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता, महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा के लिए चिराग योजना और विवाह सहायता योजनाएं जैसी कई योजनाओं में पात्रता परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में दर्ज आय पर आधारित है।

फडणवीस ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सोच में बदलाव का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सोच में बदलाव का आह्वान किया और इसके लिए 2029 से संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की केंद्र की घोषणा का उल्लेख किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में फडणवीस यहां पुरंदर तालुका के खानवाड़ी में 'ज्योति सावित्री जिला परिषद स्कूल' के उद्घाटन और शिलापट्ट अनावरण के अवसर पर बोल रहे थे। फडणवीस ने कहा कि फुले के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा, ''मैं विस्तार से बताऊंगा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक क्यों हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2029 से संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की। जब मंत्री छगन भुजबल ने इसे महात्मा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि बताया तो दर्शकों के केवल एक पक्ष (महिलाओं) ने तालियां बजाईं, जबकि दूसरे पक्ष ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा, ''इससे पता चलता है कि कई क्षेत्रों में समानता हासिल की जा रही है, लेकिन अभी राजनीति में मानसिकता बदलने की जरूरत है। इसके लिए फुले के विचार बेहद जरूरी हैं।'' संसद का बजट सत्र बढ़ा दिया गया है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण अधिनियम) में संशोधन पारित करने के लिए 16 से 18 अप्रैल के बीच सदन का तीन-दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। इससे लोकसभा में सीट की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

मतदाताओं के बारे में सारी जानकारी जुटाना समय की आवश्यकता : सीईओ चोकालिंगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस चोकलिंगम ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता लाने के लिए मतदाताओं की पूरी जानकारी जुटाना समय की आवश्यकता है तथा उन्होंने स्वीकार किया कि राज्य इस मोर्चे पर कुछ हद तक पीछे है।

वह शुक्रवार को यहां आयोजित 'विशेष गहन समीक्षा' बैठक को संबोधित कर रहे थे।

शनिवार को ठाणे जिला प्रशासन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता लाने के लिए मतदाता सूची की 100 प्रतिशत 'मैपिंग' समय की आवश्यकता है। प्रशासनिक व्यवस्था को 90 से 94 प्रतिशत के 'जादुई आंकड़े' को पार करने के लिए समर्पण के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को लेकर सारी सूचनाएं जुटाने के मामले में महाराष्ट्र अन्य राज्यों से कुछ पीछे है तथा ठाणे व पालघर जैसे जिलों में इस मामले में तेजी से प्रगति किए जाने की आवश्यकता है।

त्रुटिरहित मतदाता सूची के लिए चुनावी आंकड़ों को अद्यतन करने के उद्देश्य से पूरे महाराष्ट्र में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) इस महीने से शुरू होने वाला है।

सीईओ ने प्रौद्योगिकी और जमीनी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों के संयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया और बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) व चुनाव कर्मचारियों को घर-घर जाकर सत्यापन करने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'जियो-टैग' किए गए 'फोटो वाले रिकॉर्ड' रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, मतदाताओं का पूर्व मतदाता सूची से मिलान करना और उनके मूल निवास स्थान का सत्यापन करना इस अभियान का आधार है। उन्होंने कहा कि अनुपलब्ध मतदाताओं के घरों के बाहर नोटिस चिपकाए जाने चाहिए और उनका दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए।

मुझे ले जा रहा हेलीकॉप्टर हैलीपैड की जगह पार्किंग में उतरा, लेकिन हादसे का खतरा नहीं था : भुजबल

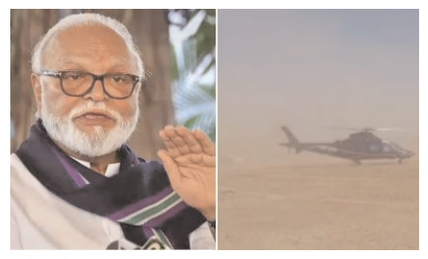

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर शनिवार को पुणे जिले में निर्धारित हेलीपैड के स्थान पर करीब 1,300 मीटर दूर एक पार्किंग स्थल पर उतरा। मंत्री ने हालांकि इस घटना को तूल नहीं देते हुए कहा कि यह ''एक सहज लैंडिंग'' थी और दुर्घटना का कोई खतरा नहीं था।

अपर पुलिस अधीक्षक (पुणे ग्रामीण) गणेश बिरादर ने बताया कि कुछ भ्रम की स्थिति के कारण पायलट ने निर्धारित हेलीपैड से लगभग 1,300 मीटर दूर एक स्थान पर हेलीकॉप्टर को उतारा। भुजबल ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि इस दौरान किसी हादसे की आशंका नहीं थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता भुजबल ने कहा, ''पायलट को हेलीपैड दिखाई नहीं दिया और उसने पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान पर विमान उतार दिया। लैंडिंग सुचारू रूप से हुई और कोई समस्या नहीं हुई।'' भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में एक मॉडल स्कूल का उद्घाटन करने के लिए यहां पुरंदर जा रहे थे। फडणवीस ने घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पूरे प्रकरण की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा,''मेरे पास अभी पूरी जानकारी नहीं है। हालांकि, विस्तृत जांच की जाएगी।''

पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु में भाजपा, राजग की सरकार बनेगी : आठवले

हैदराबाद/भाषा। आरपीआई (आठवले) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में सत्ता में आएंगे, जबकि केरल में भी राजग के पक्ष में माहौल है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था के विफल होने और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग तृणमूल कांग्रेस सरकार से निराश हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां पत्रकारों से कहा, हमें पूरा विश्वास है कि इस बार भाजपा सरकार आएगी। ममता दीदी की विदाई तय है। असम और पुडुचेरी में भी हमारी सरकार बनेगी।

समान नागरिक संहिता के नाम पर मध्यप्रदेश में आदिवासी अस्मिता से समझौता स्वीकार नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लागू करने की तैयारियों पर शनिवार को चिंता जताते हुए कहा कि यह आदिवासी समाज की पहचान, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां आदिवासी समाज अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं के साथ सदियों से जीवन यापन कर रहा है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, ऐसे में एकरूपता वाला कानून थोपना न केवल उनकी परंपराओं का अनादर है, बल्कि यह उनके अधिकारों का भी उल्लंघन है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंत्रियों से कहा था कि यूसीसी का अध्ययन करें, इसे राज्य में लागू करना है। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद राज्य के गृह विभाग ने यूसीसी को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी, क्योंकि यूसीसी बिल तैयार करने की जिम्मेदारी इसी विभाग की है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही राज्य स्तर पर एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-44 में यूसीसी को 'राज्य के नीति निदेशक तत्व' में रखा गया था, क्योंकि संविधान सभा यह समझती थी कि विविधताओं वाले देश में इस विषय पर व्यापक सहमति बनानी होगी।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता ने दिया चार शावकों को जन्म, भारत में संख्या बढ़कर 57 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्योपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क (केएनपी) में शनिवार को भारतीय मूल की एक मादा चीता ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह कूनो के जंगल में दर्ज किसी चीते का पहला जन्म है। सितंबर 2022 में शुरू हुए अंतर-महाद्वीपीय चीता पुनर्वास कार्यक्रम के बाद यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस उपलब्धि को साझा करते हुए इसे भारत की चीता संरक्षण यात्रा का महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि लगभग दो वर्षों से जंगल में रह रही 25 माह की मादा चीता द्वारा चार शावकों को जन्म देना प्राकृतिक परिस्थितियों में अनुकूलन और प्रजनन की दिशा में एक बड़ी सफलता है। यादव ने वन विभाग के अधिकारियों, पशु चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारतीय परिस्थितियों में चीतों के सफल अनुकूलन को दर्शाती है और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

अधिकारियों ने बताया कि कूनो में मौजूद सभी सात वयस्क मादा चीतों ने अब तक शावकों को जन्म दिया है। चीता पुनर्वास परियोजना के तहत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत लाया गया था, इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों का दूसरा जत्था आया। हाल ही में 28 फरवरी को बोत्सवाना से नौ चीतों का तीसरा दल भी लाया गया है।

वन विभाग के अनुसार, तीन चीतों को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया है, जबकि शेष कूनो में ही रखे गए हैं। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि बीमारी के जोखिम को कम करने के लिए लुप्तप्राय प्रजातियों को एक ही स्थान पर सीमित नहीं रखा जाता।

मारुति सुजुकी 2031 तक चार नए इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी

हैदराबाद/भाषा। देश की प्रमुख कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड वर्ष 2031 तक चार नए इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए आयोजित एक कार्यक्रम में एक ही दिन में ई-विटारा की 108 इकाइयां ग्राहकों को सौंपी। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि यह ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है, क्योंकि कंपनी स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि 2031 तक कंपनी बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन खंड में भी अग्रणी बनने का लक्ष्य रखती है और बाजार की मांग के अनुसार अपनी रणनीति तय करेगी।

पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण कंपनी को वाहनों के दाम बढ़ाने होंगे, हालांकि बढ़ोतरी की सीमा जल्द घोषित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 4.50 लाख वाहनों का निर्यात किया, जबकि पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का अभी आकलन किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, अब तक ई-विटारा की 25,000 से अधिक इकाइयों का 44 देशों में निर्यात किया जा चुका है और इसे 100 से अधिक देशों में भेजने की योजना है।

वंदे मातरम् विवाद : मोहन यादव ने कांग्रेस पदाधिकारियों का इस्तीफा मांगा, पटवारी ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में दो महिला पार्षदों के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' गाने से इनकार को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए शनिवार को कहा कि यह ऐसा मामला है जिस पर प्रमुख विपक्षी दल की प्रदेश इकाई के सभी पदाधिकारियों को इस्तीफा दे देना चाहिए। उधर, कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इस विवाद को सांप्रदायिक रंग देकर बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया और कहा कि उसे देशभक्ति के लिए भाजपा के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री यादव ने भोपाल में एक बयान में कहा,''बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि कांग्रेस की पार्षद ने इंदौर नगर निगम के सम्मेलन में वंदे मातरम् गाने से इनकार किया और बड़ी बेशर्मी के साथ कहा कि मैं (राष्ट्रीय गीत) नहीं गाऊंगी। यह कांग्रेस का चरित्र बता रहा है।'' उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से इस मामले में स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को यह बताना चाहिए कि विपक्षी दल इस तरह के लोगों को प्रोत्साहित क्यों करता है। इंदौर नगर निगम के बजट सम्मेलन के दौरान कांग्रेस की पार्षद फौजिया शेख अलीम ने इस्लामी मान्यताओं का हवाला देते हुए 'वंदे मातरम्' गाने से इनकार कर दिया था। निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाली एक अन्य पार्षद रुबीना इकबाल खान ने भी फौजिया के इस रुख का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय गीत गाने से मना कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस मामले में पूरी प्रदेश कांग्रेस इकाई को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र से बाहर नहीं निकल पा रही है। इंदौर की महिला पार्षदों ने बेशर्मी की हद पार कर दी है।'' यादव ने इस मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा,कांग्रेस पार्षद की टिप्पणी पर पटवारी का क्या कहना है? अगर इस पर पटवारी और कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर पाते, तो सभी को इस्तीफा दे देना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री मोदी वंदे मातरम् के छह छंदों को लेकर पूरे देश का दिल जीत चुके हैं। लेकिन कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र से बाहर नहीं आ पा रही। कांग्रेस ने आजादी के पहले से वंदे मातरम् पर बखेड़ा खड़ा किया। उनकी (कांग्रेस) सरकार ने इसके पांच छंदों को ही गायब कर दिया था।'' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रमुख विपक्षी दल को देशभक्ति के लिए भाजपा के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

हरियाणा में किसानों ने गेहूं की खरीद और पोर्टल संबंधी समस्याओं को लेकर सड़के अवरुद्ध कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबाला/भाषा। हरियाणा में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के परचम तले किसानों ने गेहूं की खरीद और ऑनलाइन पोर्टल प्रणाली में आ रही समस्याओं के खिलाफ शनिवार विरोध प्रदर्शन किया तथा कई जगहों पर सड़क अवरुद्ध की। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रणाली में तकनीकी खामियों और बैंक खातों से संबंधित समस्याओं के कारण किसानों को उपज की बिक्री तथा भुगतान में देरी हो रही है, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनाज मंडियों के पास पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। संगठन के नेता सिंगारा सिंह ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत द्वारा हाल ही में नारायणगढ़ में आयोजित महापंचायत के दौरान की गई घोषणा के तहत किया गया। उन्होंने दावा किया कि भूमि स्वामित्व से संबंधित मुद्दों और जटिल नियमों ने किसानों की स्थिति को और खराब कर दिया है।

महिला आरक्षण को 'हथियार' की तरह इस्तेमाल करना चाहता है केंद्र : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह विपक्ष से निपटने के लिए इसे ''हथियार'' की तरह इस्तेमाल करना चाहती है।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, केंद्र सरकार को महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की कोई चिंता नहीं है। अगर उसकी चिंता वास्तविक होती, तो वह इसे तुरंत लागू कर सकती थी लेकिन इसके बजाय, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार विपक्ष से निपटने और जनसंख्या के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने के लिए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है।

उन्होंने कहा, ''इसलिए परिसीमन को बहाना बनाए बिना महिला आरक्षण तुरंत लागू किया जाना चाहिए।'' प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर आशंका जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के अधिकारों की बात सबसे पहले द्रमुक ने ही उठाई थी, क्योंकि उसे समझ में आ गया था कि इस प्रस्तावित प्रक्रिया से राज्य प्रभावित होगा। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे पर अपने प्रतिद्वंद्वी और 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (एआईएडीएमके) के प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी पर भी निशाना साधा।

उन्होंने आबादी आधारित परिसीमन के मुद्दे को उठाने के लिए द्रमुक के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि निष्पक्ष परिसीमन के उद्देश्य से संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के तत्वावधान में मुख्यमंत्रियों की बैठक और सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। इसमें 25 वर्ष तक परिसीमन रोकने और 1971 की जनगणना की आबादी के आधार को ही मान्य रखने की मांग की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया है, उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए।''

स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी ने तमिलनाडु पोराडुम, तमिलनाडु वेल्लुम' (तमिलनाडु संघर्ष करेगा, तमिलनाडु जीतेगा) का नारा दिया है और यही द्रमुक का रुख है।

उन्होंने कहा, ''लेकिन पिछले दरवाजे से भाजपा के प्रवेश के लिए वोट मांगने वाले पलानीस्वामी परिसीमन पर आज तक चुप हैं और यह तमिलनाडु की जनता के साथ विश्वासघात है।''

भाजपा का मुख्य एजेंडा अल्पसंख्यकों को भयभीत रखना है : स्टालिन का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य एजेंडा अल्पसंख्यकों को भयभीत रखना है।

स्टालिन ने कहा कि भाजपा द्वारा शासित राज्यों में जो हो रहा है, उससे सभी अवगत हैं। स्टालिन ने आरोप लगाया कि मुसलमानों पर हमले जारी हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, अब ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि क्रिसमस भी शांतिपूर्वक नहीं मनाया जा सकता। ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। मणिपुर में जो हो रहा है, उसका पूरा देश गवाह है। भाजपा की कार्ययोजना यह है कि अल्पसंख्यकों के लिए असुरक्षा की स्थिति पूरे देश में जंगल की आग की तरह फैल जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए पहले सीएए लागू किया गया, फिर वक्फ कानून में संशोधन किया गया और अब वह एफसीआरए में संशोधन करने के लिए बेताब' हैं। उन्होंने अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया पालानीस्वामी को अल्पसंख्यकों के कल्याण की कोई चिंता नहीं है क्योंकि वह इन तीनों संशोधनों का समर्थन करते हैं और भाजपा के साथ गठबंधन में हैं।

द्रमुक गठबंधन 200 से अधिक सीट जीतेगा, भाजपा के इशारों पर नाच रही' अन्नाद्रमुक : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 200 से अधिक सीट मिलने का शनिवार को दावा किया और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) पर दिल्ली के ''इशारों पर नाचने'' का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा कि 'अन्नाद्रमुक की न कोई विचारधारा है और न सिद्धांत तथा दिल्ली भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) उसका ''मुख्यालय'' है।'

स्टालिन ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा कि द्रविड़ मॉडल शासन के पांच वर्ष के दौरान उनकी सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं जिनमें 'कलैगनार महिला अधिकार योजना' के तहत हर महीने 1,000 रुपये, महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस यात्रा, स्कूली बच्चों के लिए नाश्ता योजना और दो लाख किसानों को मुफ्त बिजली कनेक्शन देना शामिल हैं। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरी पार्टी पर अपार प्रेम और भरोसा जताया है। उनके समर्थन से धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) 200 से अधिक सीट जीतकर 'द्रविड़ मॉडल 2.0' सरकार बनाएगा। राज्य की 234 विधानसभा सीट के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा।

स्टालिन ने अन्नाद्रमुक नेताओं के लिए ''गुलाम'' जैसे कड़े शब्द के इस्तेमाल का बचाव करते हुए कहा, जिन लोगों ने तमिलनाडु के सारे अधिकार गिरवी रख दिए और जो दिल्ली के इशारों पर नाचते हैं, उन्हें और क्या कहा जाए? स्टालिन (73) ने साक्षात्कार के दौरान कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की बातचीत, उनके परिवार पर लगे आरोपों और राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति समेत कई मुद्दों पर बात की।

यह पूछे जाने पर कि क्या 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की बातचीत दशकों में ''सबसे कठिन'' बातचीत थी, उन्होंने कहा, सीट बंटवारे की बातचीत में ऐसा होना सामान्य बात है। बातचीत सौहार्दपूर्ण ढंग से पूरी हुई और गठबंधन उम्मीदवारों की जीत के लिए नेता एवं कार्यकर्ता मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि 2019 से यह गठबंधन मजबूती से आगे बढ़ रहा है तथा इसे और मजबूत करने के लिए अधिक दल इसमें शामिल हुए हैं।

उन्होंने कहा, ''केवल तमिलनाडु में ही नहीं, हमारा गठबंधन पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी शानदार जीत दर्ज करेगा।'' पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान हुआ था। स्टालिन ने अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता एवं तीन बार मुख्यमंत्री रहे ओ. पनीरसेल्वम को द्रमुक में शामिल किए जाने के सवाल पर कहा, ''लोग अन्नाद्रमुक की स्थिति को अच्छी तरह समझते हैं। उसके पास न विचारधारा है, न सिद्धांत और दिल्ली भाजपा ही उस पार्टी का मुख्यालय है।''

उन्होंने कहा, ''इसीलिए द्रविड़ आंदोलन की विचारधारा को लेकर प्रतिबद्धता रखने वाले लोग इस आंदोलन के उद्गम स्थल द्रमुक में शामिल हो रहे हैं। ओ. पनीरसेल्वम ने भी वही रास्ता चुना है और वह द्रमुक में आ गए हैं।'' राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में बड़ी भूमिका के सवाल पर स्टालिन ने अपने पिता और द्रमुक के दिवंगत अध्यक्ष एम. करुणानिधि द्वारा ऐसे ही परिस्थिति में दिए एक चर्चित कथन को याद किया और कहा कि वह अपनी सीमाओं से परिचित हैं।

स्टालिन ने अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी के इस आरोप को खारिज कर दिया कि मुख्यमंत्री का परिवार ''सत्ता का केंद्र'' बन गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल ध्यान भटकाने के लिए लगाया गया काल्पनिक आरोप है। राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर अन्नाद्रमुक प्रमुख के आरोपों पर स्टालिन ने कहा कि पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामला पलानीस्वामी नीत अन्नाद्रमुक सरकार के कुशासन'' के दौरान महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों का प्रमाण है जिसमें एक महिला भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी तक को यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी को कानून-व्यवस्था या महिलाओं की सुरक्षा पर टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि उनकी पार्टी ने उन लोगों के साथ चुनावी गठबंधन किया है, जिन्होंने मणिपुर को हिंसा की ''भूमि'' में बदल दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कामकाजी महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है क्योंकि सरकार ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा, ''महिलाओं की सुरक्षा के लिहाज से तमिलनाडु पूरे भारत में शीर्ष पर है।''

विजय की तुलना एमजीआर से न करें : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्लूर। 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ई के. पलानीस्वामी ने लोगों से अभिनेता से नेता बने विजय की तुलना अन्नाद्रमुक के संस्थापक एम. जी. रामचंद्रन (एमजीआर) से नहीं करने का आग्रह करते हुए संकेत दिया कि दिवंगत मुख्यमंत्री उनसे कहीं अधिक श्रेष्ठ थे क्योंकि उन्होंने अपने जीवनकाल में लोगों की सेवा की और अपनी संपत्ति मूक-बधिरों के आश्रम को दान कर दी। पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि दूसरों की आलोचना करते 'समय गरिमा और अनुशासन' की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि वह एमजीआर और दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की ''राजनीतिक पाठशाला'' के छात्र हैं।

पलानीस्वामी ने शुक्रवार को यहां एक चुनावी रैली में कहा कि ''एमजीआर भगवान'' हैं और इसलिए उनकी तुलना तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय से नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''उनकी तुलना एमजीआर से मत कीजिए, जो (हमारे लिए) भगवान हैं। एमजीआर ने फिल्मों में अभिनय से कमाया धन लोगों पर खर्च किया और जीवन भर जनता के कल्याण के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने अपनी संपत्ति मूक-बधिरों के आश्रम को दान कर दी। वह महान व्यक्ति हमारे नेता हैं।'' उन्होंने कहा, ''क्या वह (विजय) ऐसे हैं?'' उन्होंने कहा, ''जहां तक मेरा या अन्नाद्रमुक का सवाल है, लोकतंत्र में कोई भी राजनीति में आ सकता है। यह उसका अधिकार है लेकिन राजनीति में आने के बाद उसे अपने ऊपर भरोसा करने वाले लोगों को निराश नहीं करना चाहिए, बल्कि उनकी समस्याओं का सामना करना चाहिए।''

पलानीस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पद संभालने के दिन से लेकर अपने कार्यकाल के अंत तक उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें सूखा, चक्रवात, बाढ़ और महामारी जैसी समस्याओं से निपटना पड़ा, जब लोग अपने घरों से बाहर तक नहीं निकल सकते थे। पलानीस्वामी ने कहा, ''ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में मैंने लोगों को कठिनाई में डाले बिना अच्छा शासन दिया।''

जब एक पार्टी कार्यकर्ता ने उदयनिधि स्टालिन की तस्वीर दिखाई तो पलानीस्वामी ने कहा, इसे (भीड़ को) दिखाइए। अगर मैं इसे दिखाऊंगा तो वह नाराज हो जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि अन्नाद्रमुक और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में फर्क है। उन्होंने कहा, ''हम एमजीआर और जयललिता की राजनीतिक पाठशाला के विद्यार्थी हैं। गरिमा और अनुशासन बहुत जरूरी हैं। हमारी प्राथमिकता जनता का कल्याण है।''

फिल्म 'जन नायकन' लीक मामले में भाजपा को घसीटना अशिष्ट राजनीतिक आचरण' : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शनिवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के उन आरोपों का खंडन किया जिनमें केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन व भाजपा को फिल्म जन नायकन' के ऑनलाइन लीक होने के मामले से जोड़ा गया था। उन्होंने इन दावों को अशिष्ट राजनीतिक आचरण करार दिया।

उन्होंने फिल्म के लीक होने की निंदा करते हुए इसे अवैध कृत्य बताया और लोगों से फिल्म के 'पायरेटेड' संस्करणों का बहिष्कार करने की अपील की। यहां भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अन्नामलाई ने इस विवाद में अपनी पार्टी को घसीटे जाने पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा, भाजपा को इसमें क्यों घसीटा जा रहा है? क्या किसी फिल्म के रिलीज होने या लीक होने में पार्टी की कोई भूमिका होती है? लीक मामले की जांच करना और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी है। अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा, पुलिस को इस कृत्य के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाना चाहिए और उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा को इसमें न घसीटा जाए। इससे एक दिन पहले, 10 अप्रैल को टीवीके नेता आधव अर्जुन ने आरोप लगाया था कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर फिल्म लीक कराई। अर्जुन का नाम लिए बिना अन्नामलाई ने कहा, मैं टीवीके के कुछ समर्थकों और नेताओं द्वारा व्यक्त किए जा रहे विचारों की कड़ी निंदा करता हूं।

खुद को अभिनेता विजय का प्रशंसक बताते हुए अन्नामलाई ने कहा कि फिल्म आधिकारिक रूप से रिलीज होने के बाद वह इसे सिनेमाघर में देखेंगे। उन्होंने कहा, एक फिल्म कई लोगों की कड़ी मेहनत, खून-पसीने और बड़े निवेश का परिणाम होती है। अगर इस तरह के लीक वीडियो ऑनलाइन दिखते हैं, तो लोगों को उन्हें नहीं देखना चाहिए।

भाजपा राज्य मीडिया केंद्र का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चुनाव प्रचार की गहमागहमी के बीच, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने चेन्नई के कमलालयम में राज्य मीडिया केंद्र का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पार्टी नेता सरथ कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता और दक्षिणी राज्यों के समन्वयक जीवीएल नरसिम्हा राव, वरिष्ठ नेता मनोज कुमार यादव, नारायणन तिरुपति, नम्बी नारायणन, भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष रंगनायकलु और श्रीधर तथा अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग ने चेन्नई के पुलिस आयुक्त का तबादला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को ग्रेटर चेन्नई के पुलिस आयुक्त ए अरुण के तबादले का आदेश दिया। आयोग ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1997 बैच के अधिकारी अभिन दिनेश को उनकी जगह चेन्नई का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया। दिनेश सोमवार को अपना नया कार्यभार संभालेंगे। निर्वाचन आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि विधानसभा चुनाव संपन्न होने तक अरुण को चुनाव से संबंधित कोई भी जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए।

निर्वाचन आयोग ने धीरज कुमार का तबादला कर उनकी जगह के. मणिवासन को बनाया तमिलनाडु का गृह सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तमिलनाडु के गृह सचिव धीरज कुमार के तबादले का शनिवार को आदेश दिया और उनके स्थान पर के. मणिवासन को नियुक्त किया।

निर्वाचन आयोग ने 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मणिवासन को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया है। ईसीआई की विज्ञप्ति में कहा गया है कि चुनाव पूर्ण होने तक कुमार को चुनाव संबंधी किसी भी पद पर तैनात नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम का तबादला कर दिया और उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया था।

निर्वाचन आयोग ने इसी तरह ग्रेटर चेन्नई के पुलिस आयुक्त ए. अरुण का तबादला कर उनकी जगह 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिन दिनेश को नियुक्त किया था।

केरल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों ने विश्वभर का ध्यान आकृष्ट किया : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि केरल, पुडुचेरी और असम में हुए विधानसभा चुनावों ने विश्वभर का ध्यान आकर्षित किया है। आयोग ने कहा कि 22 देशों के 38 प्रतिनिधियों ने भारत में चुनावी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग के 'अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी)-2026' के तहत भारत की चुनावी प्रक्रिया के पैमाने, सटीकता और जीवंतता को देखा।

बयान में कहा गया कि प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव के आधार पर इसे लोकतंत्र का एक 'सच्चा उत्सव' बताया और रिकॉर्ड मतदाता भागीदारी, सावधानीपूर्वक तैयार की गई योजना और निर्वाचन आयोग द्वारा सुचारु रूप से चुनावों के संचालन की प्रशंसा की। क्रोएशिया के ब्रानिमीर फरकास ने बयान में कहा, ''भारतीय मतदान, यह पूरी दुनिया के लिए लोकतंत्र का एक सच्चा उत्सव है... मेरे लिए सबसे अधिक प्रेरणादायक, लोगों में मतदान के प्रति उत्साह है। हम इस प्रक्रिया से केवल सीख सकते हैं; यह एक विशाल प्रक्रिया है और इसे सही ढंग से संपन्न किया गया।'' बयान में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने आठ और नौ अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी की अपनी दो-दिवसीय यात्रा की शुरुआत प्रेषण और वितरण केंद्रों का दौरा करके की, जहां उन्होंने सुनियोजित परिवहन और स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के माध्यम से मतदान दलों की भागीदारी और चुनाव सामग्री की व्यवस्थित आवाजाही का अवलोकन किया। इसमें कहा गया है, ''उन्होंने सीईओ कार्यालयों में मतदान केंद्रों की 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की निगरानी के लिए स्थापित सीसीटीवी नियंत्रण कक्षों का भी दौरा किया और उन्हें पारदर्शिता का एक 'मजबूत स्तंभ' बताया।'' बयान में कहा गया है कि आईईवीपी चुनाव प्रबंधन निकायों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग की एक प्रमुख पहल है।

अभिनेता रजनीकांत, कमल हासन और सूर्या ने फिल्म 'जन नायकन' के लीक होने की कड़ी आलोचना की

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत, कमल हासन और सूर्या ने बहुप्रतीक्षित राजनीतिक फिल्म 'जन नायकन' के ऑनलाइन लीक होने की कड़ी निंदा की है तथा तीनों ने इसकी जवाबदेही तय करने और पायरेसी विरोधी सख्त कदम उठाने की मांग की है। फिल्म पायरेसी किसी फिल्म को बिना अनुमति लीक या अवैध रूप से प्रसारित करने की गैरकानूनी प्रक्रिया है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के अभिनेता विजय मुख्य भूमिका में हैं।

एच. विनोद द्वारा निर्देशित इस फिल्म को विजय के राजनीति में कदम रखने से पहले उनकी आखिरी फिल्म के तौर पर प्रचारित किया जा रहा था। यह फिल्म शुक्रवार को कथित तौर पर लीक हो गई है। रजनीकांत ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर फिल्म के लीक होने संबंधी एक पोस्ट की। उन्होंने लिखा, ''किसी के द्वारा जन नायकन फिल्म को इंटरनेट पर रिलीज करना आश्चर्य और दुख का कारण है।'' उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि फिल्म संगठनों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और सरकार को दोषियों की पहचान करके उन्हें कड़ी सजा देनी चाहिए। अभिनेता ने कहा, भविष्य में ऐसे अपराधों

को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। वहीं, अभिनेता एवं नेता कमल हासन ने घटना की तीखी आलोचना करते हुए फिल्म के लीक होने के लिए इसकी प्रमाणन प्रक्रिया में हुई अत्यधिक देरी को जिम्मेदार ठहराया। फिल्म पिछले कई महीनों से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के साथ कानूनी विवाद में फंसी हुई है।

हासन ने कहा, 'जन नायकन' का लीक होना कोई दुर्घटना नहीं है, यह प्रणालीगत विफलता का परिणाम है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि उचित प्रक्रिया समय पर पूरी हो जाती, तो हम इस स्थिति में नहीं होते। हासन ने कहा कि प्रमाणीकरण में अत्यधिक देरी से पायरेसी को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने भी जवाबदेही, त्वरित प्रमाणन, सख्त प्रवर्तन और वास्तविक समय में कार्रवाई की मांग की। इस घटना की निंदा करते हुए अभिनेता सूर्या ने इसे दुखद और अन्यायपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से ईमानदारी से निवेदन करता हूं कि कृपया फिल्म को यहां न देखें, न साझा करें और न ही इस पर चर्चा करें। उनके काम का सम्मान करें।

उन्होंने कहा, मैं अपने दोस्तों के साथ खड़ा हूं और इस कृत्य की निंदा करता हूं, यह अक्षम्य है। फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों अनुसार, अनधिकृत रूप से सामग्री के प्रसार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा रही है।

ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय और शिक्षा की ज्योति जलाई : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन महिला, किसान, मजदूर समेत शोषित एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महात्मा ज्योतिबा फुले के मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक एकता और समरसता के मार्ग पर चलकर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शर्मा शनिवार को बांदीकुई में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती एवं विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने ज्योतिबा फुले को सच्चा महात्मा कहा था। वहीं, बाबा साहेब ने इनको अपने तीन गुरुओं में से एक माना था। महात्मा ज्योतिबा फुले ने पिछड़ों और महिलाओं के मन में सामाजिक न्याय और शिक्षा की ज्योति जलाई। उन्होंने सामाजिक सुधार की शुरूआत सबसे पहले सावित्री बाई फुले को शिक्षित कर की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर बेटियों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। विधवाओं और अनाथों के लिए आश्रय गृह खोले एवं महिला अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने महिला अधिकारों के लिए मंगलाष्टकों की रचना की। ज्योतिबा फुले ने पीड़ित किसानों और मजदूरों के हितों के लिए भी संघर्ष किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष लाल किले की प्राचीर से पूरे देश को महात्मा फुले की 200वीं जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय गौरव के साथ मनाने का संकल्प दिलाया था। इसी क्रम में आज से 10 अप्रेल 2027 तक महात्मा ज्योतिबा फुले की द्विशताब्दी जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले के मिशन से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री ने अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं, जिनसे पिछड़ों, दलितों और महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, पीएम उज्ज्वला योजना एवं जन धन योजना से बड़ी संख्या में महिलाएं लाभांवित हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी पहलों से देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से मुक्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के 6 हजार रुपये की सालाना राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद के लिए किसानों को 150 रुपये का बोनस दे रहे हैं। वहीं, 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित कर 16 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आमजन एवं किसानों के लिए सवा दो साल से हमारी सरकार महत्वपूर्ण पेयजल एवं सिंचाई परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गत सरकार में पेपरलीक से युवाओं के सपने टूटे, लेकिन हमारी सरकार में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। अब तक 1 लाख 25 हजार से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं एवं 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियों की भर्ती का मार्ग प्रशस्त कर कैलेण्डर जारी किया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को सशक्त बनाने के लिए प्रदेश में मंगला पशु बीमा योजना और गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना चलाई जा रही है। वहीं, दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में केंद्र सरकार का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने एक ही दिन में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी की संशोधित लागत एवं जयपुर मेट्रो फेज-2 जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं को मंजूरी दी। हमारी सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है।

आमजन से किए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेपरलीक, जेजेएम घोटाला और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन हमें सीख देता है कि हिम्मत से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फुले का जीवन हम सभी को समानता और बेटियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। बाबा साहेब ने भी इन कार्यों को आगे बढ़ाने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार बेटियों और महिलाओं को सशक्त बना रही है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री राम जल सेतु लिंक परियोजना के जरिए 17 जिलों को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा आमजन से किए गए सभी वादों को पूरा किया जा रहा है। पिछले सवा दो साल में सभी भर्ती परीक्षाएं समयबद्ध रूप से संपन्न हुई हैं।

'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगी महिलाएं : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में महिलाएं अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीति में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा। यहां मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि यह अधिनियम लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है।

उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिलाओं से अपने सपनों को पूरा करने का आह्वान करते हुए राज्य की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

केंद्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए शर्मा ने कहा कि जन धन योजना, 'स्टैंड-अप इंडिया'' और स्वयं सहायता समूहों जैसी पहल ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। उन्होंने बताया कि 'लखपति दीदी' पहल के तहत राज्य में 16 लाख से अधिक महिलाओं को इस श्रेणी में लाया गया है और लगभग 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत वित्तीय सहायता बढ़ाकर 6,500 रुपये कर दी है, जिससे 11.58 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को 576 करोड़ रुपये की राशि का लाभ मिला है। बाद में मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय में कानून-व्यवस्था की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

जयपुर के हाथी गांव में गजराजों का स्वास्थ्य परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के दिल्ली रोड स्थित हाथी गांव में शुक्रवार से हाथियों के लिए दो दिवसीय विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। हाथियों की सेहत को लेकर गंभीर वन विभाग ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से उनकी बारीकी से परीक्षण करवया।

शिविर में नाहरगढ़ जैविक उद्यान के उपनिदेशक डॉ. अरविंद माथुर और जयपुर चिड़ियाघर के वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर की मौजूदगी में हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि तीन सदस्य मेडिकल बोर्ड ने 54 हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें हाथियों के रक्त, मल, आंखों के नमूने लिए गए हैं। साथ ही उनके पैरों की देखभाल के लिए विशेष दवाइयां दी गई।

इन सभी नमूनों को आगे की जांच के लिए राज्य रोग निदान केंद्र भेजा गया है, जिससे हाथियों की सेहत से जुड़ी किसी भी संभावित समस्या का समय रहते पता लगाया जा सके।

डॉ. माथुर ने बताया कि वन विभाग की ओर से सभी हाथियों को आवश्यक विटामिन, खनिज पदार्थ और अन्य सप्लीमेंटस दिए गए। सभी हाथियों के माइक्रोचिप की जांच भी की गई। इस दौरान रेंजर गौरव चौधरी, हाथी मालिक बब्लू खान और महावत भी मौजूद रहे और उन्होंने जांच प्रक्रिया में सहयोग किया। इस मौके पर महावतों के लिए एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें गर्मी के मौसम में हाथियों के खान-पान और उनकी देखभाल के बारे में जानकारी दी गई।

क्या न्यायालय से ऊपर हैं निदेशक? बीकानेर शिक्षा निदेशक के अवैध पत्र पर उठे गंभीर सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के शिक्षा महकमे में उस समय हड़कंप मच गया जब प्रारंभिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर द्वारा एक ऐसा आदेश जारी किया गया जो सीधे तौर पर राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के आदेशों की अवहेलना करता प्रतीत हो रहा है। मामला 'हिन्दुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स' संस्था के प्रमाण पत्रों की वैधता से जुड़ा है। निदेशक प्रारंभिक शिक्षा ने 10 अप्रैल 2026 को एक पत्र जारी कर 'हिन्दुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स, राजस्थान राज्य' के प्रमाण पत्रों को वैध बताया है। इस पत्र का आधार राजस्थान सरकार के 16 अप्रैल 2025 के एक पुराने पत्र को बनाया गया है। हैरानी की बात यह है कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने 29 जनवरी 2026 को ही सरकार के उस (16.04.2025) आदेश पर स्टे (रोक) लगा दिया था। न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि यह संस्था गैर-मान्यता प्राप्त है। ऐसे में न्यायालय द्वारा रोक लगे हुए आदेश के हवाले से नया पत्र जारी करना न्यायिक प्रक्रिया की खुली अवहेलना माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, इससे पूर्व भारत सरकार भी राजस्थान शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर स्पष्ट कर चुकी है कि 'हिन्दुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स, राजस्थान राज्य' एक गैर-मान्यता प्राप्त संस्था है। केंद्र और उच्च न्यायालय की दोहरी स्पष्टता के बावजूद निदेशालय का यह कदम प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े करता है।

जब संस्था की मान्यता ही नहीं है, तो उसके प्रमाण पत्रों को विभागीय स्तर पर वैध कैसे दिखाया जा रहा है? क्या शिक्षा निदेशक खुद को माननीय न्यायालय और भारत सरकार से ऊपर समझते हैं? क्या यह निर्णय किसी राजनीतिक दबाव या निजी लाभ के चलते लिया गया है? इस प्रकार के भ्रामक आदेशों से उन छात्रों का भविष्य दांव पर लग सकता है जो इन प्रमाण पत्रों के आधार पर नियुक्तियों या शैक्षणिक लाभ की उम्मीद कर रहे हैं। यदि उच्च न्यायालय इस मामले का संज्ञान लेता है, तो संबंधित अधिकारियों को न्यायिक अवमानना की कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा विभाग जैसे जिम्मेदार तंत्र में इस तरह की प्रशासनिक डकैती और नियमों की अनदेखी न केवल भ्रष्टाचार की ओर संकेत करती है, बल्कि न्यायपालिका के प्रति जन-विश्वास को भी कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री मोदी वीडियो सन्देश के माध्यम से जयपुर में 'माय भारत बजट क्रेस्ट 2026' कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो सन्देश के माध्यम से 13 अप्रैल 2026 को जयपुर में 'माय भारत बजट क्रेस्ट 2026' कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम में शामिल होकर 'माय भारत बजट क्रेस्ट 2026' कार्यक्रम के विजेताओं से संवाद करेंगे। प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो सन्देश के जरिये युवाओ को संबोधित करेंगे, साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। प्रवीण गुप्ता ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार दो दिवसीय 'विकसित भारत यूथ डायलॉग' के आयोजन का फिनाले 13 अप्रैल 2026 को प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:15 बजे तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (ठखउ), जयपुर में किया जाएगा।

12 अप्रैल 2026 को दोपहर में महिला प्रतिभागियों के लिए समर्पित 'महिला युवा संसद' आयोजित की जाएगी। शाम को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (चछखढ), जयपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से 'संडेज ऑन साइकिल' पहल आयोजित होगी, जो 'फिट भारत, विकसित भारत' का संदेश देगी। 13 अप्रैल 2026 को 'विकसित भारत यूथ डायलॉग' कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन समारोह से होगी, जिसके बाद 'माय भारत सत्र' एवं दो विशेषज्ञ पैनल चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्रीगण दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेम चन्द्र बैरवा समेत राज्य सरकार में युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री, उद्योग मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा/कौशल मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव की उपस्थिति अपेक्षित है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'मेरा युवा भारत' (चध इहरीरीं) द्वारा 'माय भारत बजट क्रेस्ट 2026' (ज़ोन 14 – राजस्थान) के विजेता प्रतिभागियों के साथ 'राजस्थान यूथ डायलॉग' कार्यक्रम का आयोजन 12 एवं 13 अप्रैल 2026 को किया जा रहा है।

शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने बाईस गोदाम स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शर्मा ने प्रदेशवासियों से महात्मा ज्योतिबा फूले के समाज सुधारक कार्यों एवं उनके आदर्शों को अपनाकर शिक्षा और समानता के क्षेत्र में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस दौरान विधायक जसवंत यादव, गोपाल शर्मा, देवेन्द्र जोशी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

गंभीर बीमारियों में होम्योपैथी से इलाज संभव : गोपाल शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ होम्योपैथी फिजिशियंस द्वारा गोपालपुरा बायपास स्थित होटल मिस्टिक फॉल्स में डॉ सैमुअल हैनिमेन की 271 वी जयंती मनाई गई। आयोजन सचिव डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित सेमिनार में गंभीर बीमारियों पर चर्चा हुई जिसमें डॉ अशोक लादुना, डॉ विमल सोनी, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ अमित खंडेलवाल, डॉ तारा प्रकाश यादव, डॉ एल सी शर्मा सहित कई अन्य विशेषज्ञों ने अपने पेपर प्रेजेंट किए।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक डॉ गोपाल शर्मा रहे।उन्होंने होम्योपैथी के बारे में अपने अनुभव साझा किए तथा कहा कि इससे गंभीर इलाज संभव है। इस अवसर पर होम्यो यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ के सी भिंडा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से तथा निराश्रित मंदबुद्धि मनोरोगी जनों के हौम्योपैथी से उपचार द्वारा सतत प्रोत्साहन हेतु ओउमाश्रय सेवा धाम संस्थापक यशपाल यश को सम्मानित किया गया। इस मौके पर दीप हॉस्पिटल के निदेशक डॉ अनिल गुप्ता,डॉ सुनीता गुप्ता,डॉ ममता शर्मा, डॉ रवि बड़गुजर,डॉ सिमेंद्र,डॉ अंकिता माथुर,डॉ सायमा अली,डॉ मो अमान,डॉ अंजू कोठारी,योग गुरु ढाकाराम,वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह शेखावत,ओमाश्रय सेवा धाम के प्रभारी यशपाल यश, पूर्व पार्षद राम अवतार गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस गोष्ठी में डॉ अशोक कुमार लादूना ने कहा कि हम फेल हो सकते हैं लेकिन होम्योपैथी कभी फेल नहीं होती,उन्होंने फाटक रिपेर्टरी का जिक्र करते हुए अपने कई जीर्ण रोगों के उपचार के बारे में जानकारी दी और कहा कि हम बीमारियों को जड़ से खत्म कर सकते हैं।अंत में महासचिव डॉ अजय यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डबल इंजन की सरकार बाल कल्याण और नारीशक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित : पटेल

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा जिला स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक पूरे देश में मनाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बाल कल्याण और नारीशक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के समग्र विकास तथा खेल आधारित शिक्षा के लिए लगभग 323 करोड़ रुपये की लागत से खेल सामग्री एवं 'जादुई पिटारा' उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह के आजीविका संवर्द्धन की दृष्टि से लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से 11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण करवाया जाएगा।

पटेल ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप 'राजस्थान स्टेट अर्ली चाइल्डहुड केयर डेवलपमेंट एंड एजुकेशन पॉलिसी' लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 11 हजार 924 आंगनबाड़ियों में मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण सम्बन्धी कार्यों हेतु 246 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत कार्य करवाये जा रहे हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले का संपूर्ण जीवन प्रेरणादायक : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर उनकी प्रतिमा को नमन करते उन्होंने कहा कि वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन प्रेरणा देने वाला है।

बागड़े ने कहा कि महान समाज सुधारक, महिला शिक्षा के अग्रदूत और 'सत्यशोधक समाज' के संस्थापक ज्योतिबा फुले व्यक्ति नहीं महामानव थे। उनका जीवन हमें सामाजिक समरसता और ज्ञान के लिए समर्पित रहकर दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने के आदर्श से जोड़ने वाला है।

राज्यपाल ने ज्योतिबा फुले के जीवन प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने रूढ़िवादी परंपराओं का विरोध किया और शिक्षा के माध्यम से समाज में जागृति लाने का कार्य किया। ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित,पीड़ित पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले स्मारक की चर्चा करते हुए कहा कि वह युग प्रवर्तक थे।

उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए हम जीवन की उज्ज्वल राहों की ओर अग्रसर हों।

ईसरदा बांध का कार्य जल्द पूरा करें : श्रीनिवास

जयपुर/दक्षिण भारत। सवाई माधोपुर और दौसा जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य इस वर्ष जुलाई तक पूरा हो जाएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को परियोजना प्रगति की समीक्षा के बाद कहा कि प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के प्रथम चरण के शेष रहे सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार इस बांध परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इसी क्रम में परियोजना में धरातल पर कार्यरत अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा की गई है। जल्द ही यह महत्वकांक्षी योजना पूरी हो जाएगी और इससे लाखों लोगों को पेयजल आपूर्ति हो सकेगी। साथ ही टोंक जिले के भूजल स्तर में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि 1,038.65 करोड़ रुपये लागत वाली यह बांध परियोजना पूर्वी राजस्थान के कई जिलों को पीने और सिंचाई के लिए पानी आपूर्ति करने वाली राम जल सेतु लिंक परियोजना का महत्वपूर्ण घटक है।

मुख्य सचिव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार परियोजना को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता के प्रति बेहद गंभीर और संवेदनशील है।

योगी आदित्यनाथ ने मियांपुर गांव का नाम बदलकर रवींद्र नगर करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखीमपुर खीरी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए उसे पापी करार दिया और कहा कि भविष्य में वह और टुकड़ों में बिखरेगा।

मुख्यमंत्री ने यहां मियांपुर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर बांग्लादेश से विस्थापित हिंदू परिवारों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने मियांपुर गांव का नाम बदलकर 'रवींद्र नगर' करने की घोषणा भी की।

आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस का पाप देखिए जिसने आपकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम मियांपुर रख दिया। आप सोचो एक भी मियां नहीं, लेकिन इस गांव का नाम मियांपुर है। उन्होंने कहा कि गांव का नाम मियांपुर रखकर लोगों की पहचान छिपाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि अब इस बस्ती की पहचान रवींद्रनाथ ठाकुर के नाम पर 'रवींद्र नगर' के रूप में होगी।

पाकिस्तान पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार देश का स्वयं भी 1971 में विभाजन हुआ और आगे भी उसके और टुकड़े हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि 1947 और 1971 के विभाजन तथा उसके बाद की परिस्थितियों में विस्थापित हुए 1,000 से अधिक परिवारों को भूमि अधिकार प्रदान किए गए हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि दशकों से जिन परिवारों को जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला था, उन्हें अब यह अधिकार दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश से आए लोगों की संपत्तियां वहां हड़प ली गई थीं और उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

'सिंडिकेट राज' को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का तृणमूल कांग्रेस पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशमंडी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर पश्चिम बंगाल को सिंडिकेट द्वारा संचालित राज्य में बदलने का आरोप लगाया और भाजपा के सत्ता में आने पर महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों पर कार्रवाई का वादा किया।

बांग्लादेश की सीमा से लगे दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने पिछले दिसंबर में अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज लियोनेल मेस्सी की कोलकाता यात्रा के दौरान हुई गड़बड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि टीएमसी ने फुटबॉल का खेल भी अपने गिरोहों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया ने उन शर्मनाक तस्वीरों को देखा। टीएमसी ने फुटबॉल को भी अपने सिंडिकेट के हवाले कर दिया है। राज्य को अराजकता का पर्याय बताते हुए मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल में सिंडिकेट ही सरकार है और सरकार ही सिंडिकेट है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग, किसी भी फुटबॉल क्लब के प्रति निष्ठा से इतर, विरोध प्रदर्शन में एकजुट हो गए थे। उन्होंने कहा, मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल मैदान पर एक-दूसरे से भिड़ते हैं। लेकिन आरजी कर की घटना के बाद दोनों सड़कों पर कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए। ठीक उसी तरह, पश्चिम बंगाल को भी एकजुट होकर टीएमसी सरकार को सबक सिखाना होगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल से बाहर विस्तार करने के टीएमसी के प्रयासों का भी उपहास उड़ाते हुए दावा किया कि यह प्रयास विचारधारा और सिद्धांतों की कमी के कारण विफल रहा।

उन्होंने दावा किया, असम, त्रिपुरा या गोवा में कोई भी टीएमसी को वोट नहीं देता क्योंकि उसका कोई सिद्धांत नहीं है। टीएमसी ने अन्य राज्यों में भी हाथ आजमाया है, लेकिन वहां कुछ नहीं कर पाई। बंगाल के बाहर यह चुनाव नहीं जीत सकती क्योंकि न तो इसका कोई इरादा है और न ही कोई नीति। मोदी ने दावा किया कि टीएमसी ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार की कला में महारत हासिल कर ली है और इसमें पीएचडी कर ली है।

झारखंड में एक माह के भीतर 42,000 सहिया को मिलेगा टैबलेट

रांची/भाषा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को कहा कि 42,000 से अधिक सहिया (सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं) को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए एक महीने के भीतर टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। अंसारी ने कहा कि राज्य में कुपोषण, सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया और रक्ताल्पता को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक व्यापक राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। अंसारी ने यहां सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक महीने के भीतर 42,000 सहिया को टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल से उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाएगा ताकि वे राज्य भर के गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें। मंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य मातृ मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना है। अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में झारखंड वर्तमान में देश में तीसरे स्थान पर है लेकिन सरकार का लक्ष्य इसे सूची में शीर्ष पर पहुंचना है।

ममता बनर्जी वोट बटोरने के लिए खुद के पीड़ित होने का दिखावा कर रहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओंडा/छतना (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सहानुभूति हासिल करने के लिए 'पीड़ित कार्ड' खेलने का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने अपने 15 साल के शासनकाल में राज्य को विनाश की ओर धकेल दिया है।

बांकुड़ा जिले के छतना और ओंडा तथा पुरुलिया के बाघमुंडी में रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'सिंडिकेट राज' का अंत करेगी और अत्याचार का शिकार महिलाओं को न्याय दिलाएगी।

शाह ने कहा, ''ममता बनर्जी 'पीड़ित कार्ड' खेलती हैं। वह कभी-कभी अपने पैर या सिर पर पट्टी बांध लेती हैं। ममता दीदी, इस चुनाव में आप चाहे अपने पैर, सिर या हाथ पर पट्टी बांध लें, बंगाल की जनता आपको वोट नहीं देगी।'' वर्ष 2021 में बंगाल में आठ चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान, टीएमसी प्रमुख नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान लगी चोट के बाद पैर में बंधे प्लास्टर के साथ व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार कर रही थीं। उन्होंने पुरुलिया जिले के बाघमुंडी में कहा,''बनर्जी ने बंगाल को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। 7,000 उद्योग राज्य छोड़कर चले गए हैं। युवाओं को दूसरे राज्यों में काम ढूंढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।''शाह ने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद युवाओं को राज्य के भीतर ही काम मिलेगा, और जब तक रोजगार नहीं मिल जाता, तब तक उन्हें 3,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के 'सोनार बांग्ला' के सपने को साकार करने की दिशा में काम करेगी।

महात्मा फुले के स्मृति समारोह में प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच बातचीत ने सबका ध्यान खींचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद भवन परिसर में शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की स्मृति में आयोजित समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ शुरू की गई संक्षिप्त बातचीत ने सबका ध्यान आकृष्ट किया।

यह बातचीत इसलिए खास है क्योंकि सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों नेताओं को शिष्टाचार का आदान-प्रदान करने के अलावा शायद ही कभी एक-दूसरे से बात करते देखा जाता है। प्रधानमंत्री जब फुले जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी सहित कई गणमान्य व्यक्ति एक पंक्ति में खड़े थे। सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन करने के बाद, मोदी गांधी के पास रुके और उनसे बातचीत करने लगे। हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि एक मिनट की इस बातचीत के दौरान उन्होंने किस बारे में बात की, लेकिन गांधी को कई बार पर मोदी की बात पर जवाब देते और सिर हिलाते हुए देखा गया। गांधी के साथ लोस अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, वीरेंद्र कुमार और अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति और नव मनोनीत राज्यसभा सदस्य हरिवंश सहित अन्य लोग मौजूद थे। इस संक्षिप्त बातचीत ने सोशल मीडिया पर अटकलों को भी जन्म दिया।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा: ''संसद परिसर में महात्मा फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके आदर्श अनगिनत लोगों को शक्ति और आशा प्रदान करते रहें।''

झारखंड के मुख्यमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित की

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को रांची के सिदो-कान्हू पार्क में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों सिदो और कान्हू मुर्मू की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोरेन ने अपनी पत्नी और गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन के साथ 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ संथाल विद्रोह का नेतृत्व करने वाले दोनों भाइयों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''साहसी शहीद सिदो-कान्हू ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अन्याय, शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ ऐतिहासिक बिगुल बजाया। यह हम सभी को संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।'' उन्होंने कहा कि झारखंड भारत का ऐसा क्षेत्र है जहां कई वीर सपूत पैदा हुए हैं। सोरेन ने कहा, ''राज्य के आदिवासी और मूलवासी उस समय से जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ-साथ अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, जब देश के लोगों ने आजादी का सपना भी नहीं देखा था।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''वीर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती का यह शुभ दिन भारत के इतिहास के पन्नों में अमिट रूप से दर्ज है। इस दिन हम सभी सिदो-कान्हू के संघर्ष, अदम्य साहस और आदर्शों को याद करते हैं।''

सोशल मीडिया के जरिए देश में नेटवर्क फैलाने में जुटे हैं पाकिस्तानी आतंकी, पूछताछ में खुलासा

बिजनौर/भाषा। दुबई में बैठे पाकिस्तानी आका के संपर्क में होने के आरोप में बिजनौर से गिरफ्तार किए गए दो संदिग्धों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह हैंडलर सोशल मीडिया के माध्यम से देश के भीतर नेटवर्क को विस्तार दे रहा है। नजीबाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने शनिवार को कहा कि 23 नवंबर को वायरल हुए एक इंस्टाग्राम वीडियो की जांच के बाद पुलिस ने बिजनौर में उवैद मलिक और जलाल हैदर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस वीडियो में आकिब नामक व्यक्ति एक एके-47 राइफल और एक हैंड ग्रेनेड दिखाते नजर आ रहा है। इस वीडियो की जांच से पता चला कि उवैद और जलाल ने सोशल मीडिया के जरिए सऊदी अरब में रहने वाले आकिब और दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले मैजुल के साथ संपर्क स्थापित किया था। चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों (उवैद और जलाल) तीन साल पहले सूरत में काम करने के दौरान उनके (अकीब और मैजुल) संपर्क में आए। पुलिस पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि आकिब इंस्टाग्राम पर कट्टरपंथी और भड़काऊ विचार प्रसारित करता था।

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की बात कही और दूसरों को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और वाहनों में आग लगाने के लिए उकसाया। उन्होंने बताया कि आकिब भविष्य में बड़ी आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए देश के भीतर भारत विरोधी नेटवर्क स्थापित करने की बात करता था। पुलिस ने कहा कि शुक्रवार को, दुबई में स्थित पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर के संपर्क में रहने के आरोप में दो लोगों को बिजनौर जिले में गिरफ्तार किया गया था।

मामलों के लंबित रहने के लिए केवल न्यायाधीशों को दोष न दें: न्यायमूर्ति अमानुल्लाह

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने शनिवार को कहा कि भारत में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या के लिए केवल न्यायाधीशों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी अक्सर वकीलों की बहस और कानूनी प्रक्रिया के तरीके से प्रभावित होती है। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा, ''न्यायाधीश और मामले के निपटारे की दर के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। यह वकीलों पर निर्भर करता है कि वे कितनी देर तक बहस करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में देरी के लिए वकीलों और कानूनी पेशे से जुड़े लोगों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबी-लंबी बहसें करना और बार-बार तारीख लेना जैसी आदतें मामलों के निपटारे में देरी का कारण बनती हैं, इसलिए इन पर विचार कर सुधार करना जरूरी है।

'वैश्वीकरण के युग में मध्यस्थता' विषय पर आईसीए के पांचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा कि न्यायाधीश पहले से ही प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई करते हैं। उन्होंने कहा, ''निचली अदालत के स्तर पर, किसी भी न्यायाधीश के पास प्रतिदिन 400-500 से कम मामलों की सूची नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में यह संख्या और भी अधिक है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि न्यायाधीशों को तय घंटों के लिए अदालत में बैठना और उनके सामने सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई करना अनिवार्य है, लेकिन वे वकीलों द्वारा की गई बहस के समय को हमेशा कम नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा कि हालांकि न्यायाधीश कभी-कभी वकीलों को अपनी दलीलों को दोहराने से रोक सकते हैं, लेकिन वे उन्हें अपना मामला पूरी तरह से प्रस्तुत करने की अनुमति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अभिषेक बनर्जी ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को भाजपा की 'एजेंसी' बताया

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो राजनीतिक नेताओं को भाजपा की ''एजेंसी'' करार दिया तथा सत्ता में वापसी के एक महीने के भीतर मताधिकार से वंचित नागरिकों के मतदान अधिकारों को बहाल करने का वादा किया।

रेजिनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और एजेयूपी अध्यक्ष हुमायूं कबीर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में लोगों को कमजोर करने और भाजपा को मजबूत करने के लिए काम करने वाली तीन ''एजेंसियां'' हैं। उन्होंने कुमार पर मतदाता सूची में तार्किक विसंगतियों की आड़ में गरीबों के ''मतदान अधिकार छीनने'' का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि तृणमूल कांग्रेस के कमजोर होने पर पार्टी से कहीं अधिक नुकसान गरीबों को होगा। बनर्जी ने कहा, ''अगर तृणमूल इस क्षेत्र में कमजोर होती है तो आपको (स्थानीय लोगों को) होने वाला नुकसान तृणमूल को होने वाले नुकसान से कहीं अधिक होगा।'' उन्होंने कबीर पर तीखा हमला बोला और एक वायरल वीडियो का हवाला दिया, जिसमें कथित तौर पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख की तरह दिख रहा व्यक्ति तृणमूल कांग्रेस को बंगाल से अपदस्थ करने के लिए कथित तौर पर भाजपा के साथ 1,000 करोड़ रुपये के समझौते की बात करता दिखता है।

असम में भाजपा को 90 से 100 सीटें मिलने की उम्मीद : हिमंत विश्व शर्मा

जयपुर/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटूश्याम मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। हिमंत ने दर्शन के बाद संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि आगामी राजनीतिक परिस्थितियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि 126 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी 90 से 100 सीटें जीत सकती है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भाजपा पहले से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी और लगभग 90 से 100 सीटें हासिल करेगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें झूठा करार दिया और कहा कि इस मामले का निपटारा कानून के अनुसार किया जाएगा। हिमंत शर्मा ने कहा, यह मंदिर है और मैं यहां राजनीति में नहीं उलझना चाहता। लेकिन जो काम किया गया था उसे फोटोशॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) का इस्तेमाल कर तोड़ा-मरोड़ा गया। सभी आरोप झूठे हैं। कानून अपना रास्ता खुद तय करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह नियमित रूप से खाटूश्याम मंदिर आते रहे हैं और इससे पहले चुनाव समाप्त होने के बाद भी यहां दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने बताया कि वे सलासर बालाजी मंदिर भी जाएंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच : अय्यर का धमाल, किंग्स ने सनराइजर्स को छह विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 33 गेंद में 69 रन की नाबाद पारी से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (57 रन) और प्रभसिमरन सिंह (51 रन) की पारियों के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' अय्यर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को दबाव में नहीं आने दिया। उनकी पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके जड़े थे। इससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद के बाएं हाथ के कलाई स्पिनर शिवांग कुमार ने पंजाब किंग्स के शुरूआती तीनों विकेट अपनी झोली में डाले लेकिन पंजाब किंग्स को जीत दर्ज करने से नहीं रोक सके। यह हैदराबाद की लगातार दूसरी हार है।

प्रियांश (पांच चौके, पांच छक्के) और प्रभसिमरन (चार चौके, चार छक्के) ने मिलकर पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में प्रियांश की पारी खत्म हुई। प्रियांश ने शिवांग की पहली ही गेंद पर डीप मिड विकेट के ऊपर से स्वीप शॉट लगाते हुए छक्का जड़ा, लेकिन जब उन्होंने लगातार दूसरी गेंद पर भी ऐसा ही करने की कोशिश की, तो गेंद सीधे क्षेत्ररक्षक के हाथों में समां गई। इस तरह दोनों के बीच 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 99 रन की भागीदारी का अंत भी हुआ। प्रभसिमरन ने फिर नौवें ओवर में शिवांग की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। पर अगली ही गेंद पर शिवांग की गुगली पर हेनरिक क्लासेन को कैच दे बैठे। ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद को प्रभसिमरन ने आगे बढ़कर हवा में खेलने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से पर लगी और लांग ऑफ पर क्लासेन ने आगे की ओर डाइव लगाते हुए एक बेहतरीन कैच लपक लिया।

शिवांग (33 रन देकर तीन विकेट) के दो झटकों से सनराइजर्स हैदराबाद को वापसी की उम्मीद जगी। फिर इसी गेंदबाज ने 11वें ओवर में कूपर कोनोली (11 रन) की पारी का अंत किया। कोनोली ने पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर चौका लगाया लेकिन अगली ही गेंद को मिसटाइम करके आउट हो गए जिससे स्कोर तीन विकेट पर 128 रन था। इसके बाद कप्तान अय्यर ने कमाल की पारी खेली, उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर 24 गेंद में अर्धशतक जड़ा और यही दबदबा जारी रखा। 15 ओवर में पंजाब का स्कोर तीन विकेट पर 179 रन था और उसे जीत के लिए 30 गेंद में 41 रन बनाने थे।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए माहौल बनाने को खेल मंत्री मांडविया ने देशव्यापी अभियान की योजना बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया का कहना है कि अहमदाबाद में होने वाले 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए माहौल बनाने के मकसद से मशहूर खिलाड़ियों और युवा नेताओं को शामिल करते हुए एक देशव्यापी अभियान शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

खेल मंत्री ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे की अगुवाई वाले एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान इस बड़े आयोजन की 'कुशलतापूर्वक मेजबानी' सुनिश्चित करने के लिए समय-सीमा तय करने और इसकी विरासत को लेकर योजना बनाने जैसे मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। मांडविया ने कहा कि भारत, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एक देशव्यापी अभियान शुरू कर रहा है ताकि छात्रों के बीच इस बात को लेकर जागरूकता पैदा की जा सके कि खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी करना भारत के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

सुविचार

असफलता केवल यह बताती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं किया गया। हार मत मानिए, फिर से उठिए।

ट्वीट

अब, किसान आसानी से अपने खेतों की फ़ोटो अपलोड करके मिट्टी की टेस्टिंग की जानकारी पा सकेंगे और अपनी ज़रूरतों के हिसाब से सही खाद और पोषक तत्वों के बारे में सही सलाह सीधे अपने मोबाइल पर पा सकेंगे।

-शिवराजसिंह चौहान

महान समाज सुधारक, युग के दूरदर्शी और क्रांतिकारी सूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 200वीं जयंती पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। महात्मा फुले ने शिक्षा को समाज में सकारात्मक बदलाव का सबसे शक्तिशाली माध्यम बनाया।

-ओम बिरला

कहानी

अपने हिस्से की जिंदगी

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल: 9989703240

भीड़ भरी सड़क पर हर दिन संवेदनाओं का एक रेला गुज़रता है। हज़ारों चेहरे, हज़ारों मंज़िलें, लेकिन हर चेहरे के पीछे एक नितांत निजी संसार जो अनकही कहानियों और अदृश्य बोझ तले दबा हुआ है। भीड़ के इस समंदर में झाँकें, तो किसी की आँखों में वर्षों की थकी हुई उदासी तैरती नज़र आती है, तो किसी के माथे की लकीरों में भविष्य की चिंताओं का जाल बुना हुआ दिखता है। कुछ चेहरे तो ऐसे भी हैं, जिन पर एक अजीब-सा शून्य पसरा रहता है। एक ऐसा खालीपन, जो यह चीख-चीख कर कहता है कि इंसान भीड़ का हिस्सा होकर भी भीतर से कितना एकाकी हो सकता है। आलोक भी एक ऐसा ही लड़का है, जिसकी आँखों में अनगिनत सपने हैं। इतने बड़े कि अक्सर वे यथार्थ की ऊँची दीवारों से टकराकर दरकने लगते हैं। स्वभाव से शांत और पढ़ाई में मेधावी आलोक का घर छोटा था, पर उसकी मजबूरियाँ बहुत विशाल। उसके घर की दीवारें वक्त से पहले ही जर्जर हो चुकी थीं, मानो संघर्षों की मार सहते-सहते उन्होंने भी घुटने टेक दिए हों। बरसात के दिनों में छत से टपकती बूंदें सिर्फ मकान की बदहाली नहीं बताती थीं, बल्कि यह अहसास दिलाती थीं कि इस परिवार की परेशानियाँ भी ठीक उसी तरह निरंतर और अविराम हैं।

उसके पिता एक छोटी सी सरकारी नौकरी में थे। तनख्वाह इतनी थी कि महीने की जरूरतें बस किसी तरह पूरी हो जाएँ, लेकिन इच्छाएँ हमेशा अधूरी रह जातीं। जिम्मेदारियों का बोझ उनके कंधों पर साफ दिखाई देता था, भले ही वे उसे शब्दों में कभी व्यक्त न करते हों। माँ इस घर की असली धुरी थी। सुबह से रात तक उनका दिन बस काम में बीत जाता। चूल्हा-चौका, कपड़े, सफाई, और परिवार की हर छोटी-बड़ी ज़रूरत के लिए हमेशा तत्पर रहती। उनके पास खुद के लिए समय जैसे कभी था ही नहीं। उनकी उंगलियाँ सूखकर खुरदुरी हो गई थीं, जैसे हर रेखा में त्याग की कहानी लिखी हो। लेकिन उनके चेहरे पर एक अजीब-सी शांति हमेशा बनी रहती। वो शांति जो खुशी से नहीं, बल्कि हालात से समझौता कर लेने के बाद आती है।

आलोक जब उन्हें देखता, तो उसे अपने सपनों का बोझ और भी भारी लगने लगता क्योंकि अब वो सिर्फ उसके नहीं रहे थे, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीद बन चुके थे। घर में हमेशा एक ही बात दोहराई जाती, बेटा, जिंदगी समझौते का नाम है। जो मिले, उसी में खुश रहो। संतोषी सदा सुखी। पिता यह बात इतनी ठंडी आवाज़ में कहते कि लगता जैसे कोई सच बता रहे हों। कोई ऐसा सच जिसे उन्होंने अपनी कमर सीधी करके स्वीकार कर लिया हो।लेकिन आलोक के दिल में कहीं न कहीं यह बात चुभती रहती। वह रात को छत पर बैठकर तारों को देखता और सोचता, क्या सच में जिंदगी समझौता ही है? क्या इंसान अपने सपनों का मालिक नहीं हो सकता? क्या हर उस इंसान की कहानी समझौते पर खत्म होती है जिसके पास पैसे नहीं हैं? बचपन में जब दूसरे बच्चे गलियों में गेंद उछालते, आलोक कोने में बैठकर डायरी में कुछ लिखता रहता। कहानियाँ बनाता, उड़ने वाले घोड़ों की, बादलों से बात करने वाले बच्चों की, उन दुनिया की जो असली नहीं थीं लेकिन उसे ज़िंदगी से ज़्यादा सच लगती थीं। मां ने एक बार उसकी डायरी उठाकर देख लिया था। कुछ पन्ने पढ़कर उनकी आंखें चमक उठी थीं। लेकिन फिर पिता की आवाज़ आई, यह सब करने से नौकरी नहीं लगेगी। किताबें पढ़ो बेटा, किताबें।

मां ने डायरी वापस रख दी थी चुपचाप। बिना कुछ कहे। लेकिन उस दिन आलोक ने मां की आंखों में एक अजीब सी बेचैनी देखी थी जैसे वह खुद भी कुछ कहना चाहती थीं, लेकिन कह नहीं पाईं। शायद उनकी अपनी एक कहानी थी जो अधूरी रह गई थी। शायद कोई सपना जो वह कभी बयां नहीं कर पाईं थीं।

कॉलेज खत्म होने के बाद आलोक ने अपनी डायरी आलमारी के किसी कोने में दबा दी थी। उसने सोचा शायद उसके पिता सही कहते हैं। शायद सपने देखने वालों को ही तोड़ा जाता है। काफी मशक्कत के बाद आलोक को एक बड़ी कंपनी में नौकरी मिल गई थी। घर में खुशियों की लहर दौड़ गई। पिता गर्व से भर उठे। पहली बार उन्होंने आलोक के कंधे पर हाथ रखा। उस हाथ में एक अजीब सा स्नेह था जो आलोक ने पहले कभी महसूस नहीं किया था। मां की आंखों में सुकून था। वो सुकून जो एक मां को तब मिलता है जब उसे लगता है कि उसका बच्चा अब सुरक्षित है।

लेकिन वह नौकरी उसके सपनों की नहीं थी। वह सिर्फ एक मजबूरी थी। एक ऐसी मजबूरी जिसे उसने खुशी का नाम दे दिया था। हर सुबह छह बजे अलार्म बजता। वह उठता, तैयार होता, भीड़ भरी बस में सफर करता, ऑफिस पहुंचता। और फिर वही फाइलें, मीटिंग्स, बॉस की डांट, कलीगों का झगड़ा। शाम को जब वह घर लौटता, तो लगता जैसे कोई उसकी जान चूसकर ले गया हो। वह खुद को आईने में देखता और सोचता, क्या यही वो जिंदगी है, जो मैंने चाही थी? क्या मैं तीस साल बाद भी यही करूंगा? फाइलें देखूंगा, लोगों की बातें सुनूंगा, और एक दिन ऐसे मर ही जाऊंगा जैसे कभी जी ही नहीं पाया? कभी-कभी रात को वह अपनी पुरानी डायरी निकालता। पीले पड़ चुके पन्नों पर उसके बचपन के शब्द लिखे हुए थे। वह उन्हें पढ़ता और एक अजीब सी कसक महसूस करता जैसे कोई उसका अपना हिस्सा उससे छीन लिया गया हो। एक दिन ऑफिस में एक नई प्रोजेक्ट मीटिंग थी। उसी मीटिंग में उसकी मुलाकात रिया से हुई। रिया एक फ्री लांसकंसल्टेंट थी। आत्मविश्वास से भरी हुई, अपनी शर्तों पर जीने वाली लड़की। उसके बाल खुले थे, आंखों में एक अलग ही चमक थी। वह चमक तब होती है जब कोई इंसान खुद के लिए जी रहा हो। रिया ने पहली मीटिंग में ही बॉस के सामने अपनी बातें रख दी थी। सब चुप थे, लेकिन रिया ने डरे बिना बोला। आलोक उसे देखता रह गया था। उसे लगा इस लड़की में कोई अलग ही ताकत है। धीरे-धीरे दोनों की बातचीत शुरू हुई। पहले ऑफिस की बातें, फिर धीरे-धीरे ज़िंदगी की बातें। रिया ने बताया कि उसने भी एक नौकरी छोड़ी थी। उसके परिवार ने भी उसे समझाया था, ताने मारे थे। लेकिन उसने नहीं सुना। रिया अक्सर कहती, आलोक, जिंदगी किसी और के हिसाब से नहीं जी जाती। लोग तुम्हें उस रास्ते पर चलने को कहेंगे जो उन्होंने चला है। लेकिन तुम्हारी जिंदगी तुम्हारी है। अगर जीनी है, तो अपने दिल की सुनो।

आलोक मुस्कुरा देता, लेकिन अंदर से वह जानता था कि उसमें इतना साहस नहीं है। वह डर से घिरा हुआ था। असफल होने के डर से, गिरने के डर से, लोगों की बातों के डर से।

एक शाम दोनों ऑफिस के बाहर चाय पी रहे थे। आसमान ने लालिमा ओढ़ राखी थी। रिया ने अचानक पूछा, तुम खुश तो हो ना, अपनी जिंदगी से? आलोक ने चाय का घूंट लिया। कुछ पल चुप रहा। फिर पहली बार सच कहा, नहीं मैं खुश नहीं हूं। शायद कभी था भी नहीं। यह कहते ही उसे अजीब सा हल्कापन महसूस हुआ जैसे सालों से छाती में दबा हुआ कोई पत्थर हट गया हो। रिया ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा, तो बदलो इसे। कोई और आकर तुम्हारी जिंदगी नहीं बदलेगा। ना मैं, ना तुम्हारे परिवार वाले। तुम्हें खुद उठना होगा, खुद लड़ना होगा, खुद अपनी जिंदगी की कहानी गढ़ना होगा। कहानी? आलोक ने हैरत से पूछा। रिया मुस्कुराई, हां, कहानी। शतरंज की रानी जैसे सबसे ताकतवर मोहरा होती है खुद का रास्ता खुद बनाती है। तुम्हें भी वैसे ही जीना होगा। यह बात आलोक के दिल में उतर गई। पहली बार उसने महसूस किया कि वह अपनी ही जिंदगी का कैदी बन गया है और इस जेल की चाबी उसके अपने हाथ में है। उस रात वह सो नहीं पाया। छत पर बैठकर उसने अपने बचपन के सपनों को याद किया। वह एक लेखक बनना चाहता था। कहानियाँ लिखना चाहता था, लोगों के दिलों को छूना। अपने शब्दों से दुनिया बदलना यही उसका असली सपना था। लेकिन उसने क्या किया? उसने अपने सपनों को मारकर एक सुरक्षित रास्ता चुन लिया। और अब वो सुरक्षित रास्ता भी उसे तोड़ रहा था धीरे-धीरे, अंदर से। अगले दिन ऑफिस में बैठा वह फाइलों के बीच घुट रहा था। एसी चल रही थी, लेकिन उसे ठंडक नहीं मिल रही थी। हर शब्द उसे बेगाना लग रहे थे। उसकी उंगलियाँ कीबोर्ड पर रुकी हुई थीं, लेकिन दिमाग कहीं और था। तभी उसने एक फैसला लिया। उसने तुरंत अपना इस्तीफा लिख दिया। हाथ कांप रहे थे दिल जोर से धड़क रहा था पूरा शरीर पसीने से तर था लेकिन इस बार उसने डर को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उसने डर को पी लिया पहली बार।

जब उसने अपने बॉस को इस्तीफा दिया, तो सब चौंक गए। क्या पागलपन है ये? इतनी अच्छी नौकरी क्यों छोड़ रहे हो? एक दिन तुम्हें पछताना पड़ेगा अलोक, अपने फैसलों पर। लेकिन इस बार आलोक के चेहरे पर एक अजीब-सी शांति थी। वो शांति जो किसी तूफान के बाद आती है, जब आसमान साफ हो जाता है। घर पहुंचकर उसने अपने पिता को सब बता दिया। घर में तूफान आ गया। तुम्हें समझ नहीं है जिंदगी की! पिता की आवाज़ गूंजी। हमने तुम्हारे लिए क्या-क्या नहीं किया एक छोटी सी नौकरी भी नहीं कर पाए तुम? मां की आंखों में आंसू थे और पिता के शब्द तीर की तरह चुभ रहे थे। लेकिन इस बार आलोक जानता था कि ये तीर चोट पहुंचाते हैं, लेकिन मारते नहीं। आलोक चुपचाप सब सुनता रहा। फिर उसने धीमी स्वर में कहा, पापा, मैं अब और समझौता नहीं कर सकता। मैं अपनी जिंदगी जीना चाहता हूं अपने सपनों के साथ। अगर मैं गिरूंगा, तो खुद गिरूंगा। लेकिन कम से कम मरते दम तक जी भी लूंगा।उस रात घर में सन्नाटा था। रसोई में मां की चम्मच बर्तनों से टकराने की आवाज़ भी नहीं आई। पिता अपने कमरे में बैठे रहे। और आलोक छत पर तारों के नीचे पहली बार खुद को आज़ाद महसूस कर रहा था। आने वाले दिन आसान नहीं थे। नौकरी छूट गई थी, बचत कम थी, और समाज की बातें अलग। रिश्तेदार ताने मारते, लिखने से कभी घर चलता है?

एम बी ए करके कलम घुमाएगा?

अभी तो नशे में है, जल्दी होश आ जाएगा।

पड़ोसियों की नज़रें बदल गईं। वो नज़रें जो पहले सम्मान से देखती थीं, अब हमदर्दी और तिरस्कार से देखने लगीं।

लेकिन आलोक अब बदल चुका था। वह हर दिन लिखता। सुबह उठकर, दोपहर को, रात को जागकर। अपने दर्द को, अपने सपनों को, अपनी कहानी को। कभी-कभी तो ऐसा लगता कि वह खुद को शब्दों में उतार रहा है, जैसे हर अक्षर उसकी जान का टुकड़ा हो। कई बार उसकी रचनाएँ अस्वीकृत हो जातीं। संपादक लौटा देते, ऐसा कुछ नया नहीं है, लोगों को पसंद नहीं आएगा, इसमें वो वाली बात नहीं है।

कई बार वह टूट जाता रात को अकेले बैठकर रोता सवाल करता कि क्या सच में वह पागल है? क्या पिता सही थे? क्या रिश्तेदार सही कहते हैं? लेकिन फिर रिया का एक फोन आता। या कभी वह खुद आकर उसके सामने बैठ जाती। बिना कुछ कहे। सिर्फ बैठी रहती। और यह चुप्पी ही आलोक को संभाल लेती। रिया हर कदम पर उसके साथ थी। लेकिन कभी उसके लिए नहीं, बल्कि उसके साथ। वह कहती, हर गिरना तुम्हें मजबूत बना रहा है। असली कहानी तो अब शुरू हुई है।

एक दिन आलोक ने अपनी मां से बात की। उसने उन्हें अपनी एक कहानी सुनाई। उस कहानी में एक मां थी जो अपने सपने भूल गई थी, लेकिन उसका बेटा उन्हें वापस ला रहा था। मां ने पूरी कहानी सुनी। कोई शब्द नहीं बोले। बस आंखें पोंछीं। और फिर बहुत धीरे से बोलीं, लिखते रहो बेटा।

इन तीन शब्दों में आलोक को दुनिया भर की ताकत मिल गई। धीरे-धीरे आलोक की मेहनत रंग लाने लगी। उसकी एक कहानी एक प्रसिद्ध पत्रिका में छपी। उस दिन वह देर तक उस पन्ने को देखता रहा उसने अपना नाम दस बार पढ़ा। उसकी आंखों में आंसू थे, लेकिन इस बार ये आंसू हार के नहीं, जीत के थे। वो जीत जो किसी अवार्ड से बड़ी थी। अपने शब्दों को दुनिया के सामने देखने की जीत।

कुछ ही महीनों में उसकी कहानियाँ लोगों के दिलों तक पहुंचने लगीं। लोग उसके शब्दों में खुद को देखने लगे। अपने टूटे सपने, अपनी अधूरी कहानियाँ, अपनी चुप रह गई आवाज़ें। एक दिन उसने अपनी पहली किताब पिता को थमाई। किताब का मुखपृष्ठ सादा था। बस एक लाइन लिखी थी, उन सपनों के लिए जो कभी बोले नहीं गए। पिता ने चुपचाप किताब खोलीकुछ पन्ने पढ़ेएक पन्ने पर रुक गएफिर एक औरऔर उनकी आंखें नम हो गईं।

किताब में एक कहानी थी, एक ऐसे पिता की जो अपने सपने मारकर बच्चों को पालता है, और एक ऐसे बेटे की जो उसी मारे हुए सपने को ज़िंदा करता है।उन्होंने पहली बार आलोक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, मुझे तुम पर गर्व है, बेटा। उनकी आवाज़ कांप रही थी। आलोक ने देखा कि पिता की आंखों में वो नमी थी जो शायद सालों से दबी हुई थी। शायद उसके पिता भी कभी कुछ सपने देखते थे। शायद वह भी कभी अपनी जिंदगी को जीना चाहते थे, लेकिन हालात ने मना कर दिया था। आलोक के लिए यह पल किसी भी सफलता से कम नहीं था। आज आलोक एक सफल लेखक है। उसकी किताबें बिकती हैं, उसकी बातें सुनी जाती हैं। लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि वह खुश है, सच में खुश है। वह खुशी जो सफलता से नहीं, खुद से जीने से मिली थी। एक शाम उसने रिया से कहा, तुमने मुझे मेरी जिंदगी दी है।

रिया मुस्कुराई और बोली, नहीं आलोक, तुमने खुद अपनी जिंदगी चुनी है। मैंने तो सिर्फ एक आईना दिखाया था। तुमने खुद अपनी जिंदगी को जीना सीख लिया है। आलोक ने आसमान की ओर देखातारे चमक रहे थे। उसी तरह जैसे बचपन में देखा करता था। अब उसे कोई डर नहीं था। ना गिरने का, ना अकेले चलने का, ना दुनिया की बातों का। क्योंकि उसने समझ लिया था, जिंदगी किसी और के फैसलों से नहीं, अपने साहस से लड़ी जाती है। सपने देखना कोई पागलपन नहीं है। पागलपन तो यह है कि सपने देखकर भी उन्हें पूरा न करने दिया जाय।

उस दिन से उसका नजरिया बदल गया था। अब वह समझ आ गया था कि जिंदगी की सार्थकता दूसरों की कहानी का हिस्सा बनने में नहीं, बल्कि अपनी नियति का लेखक स्वयं बनने में है।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

आदिम से आदिम तक

मनुष्य जंगल में रहता था। शिकार के लिए संघर्ष होता था। स्वाभाविक है कि शस्त्र के रूप में पत्थर और लकड़ी का प्रयोग होता होगा। मनुष्य ने विकास की राह पर कदम बढ़ाए। आदिम से आधुनिक होने की सतत यात्रा की। इस यात्रा में मनुष्य ने बस्तियाँ बसाई। बस्तियों से गाँव, गाँव से नगर बने। नागरी सभ्यता का उदय हुआ। अकेला-दुकेला रहने वाला मनुष्य समूह में बसने लगा, समाज बना। तथापि संसाधनों के केंद्रीकरण के चलते संग्रह की वृत्ति जन्मी, लालच पनपा। इसने न केवल संघर्ष को बढ़ाया, अपितु द्वंद्व के नए आयाम भी खोले। मनुष्यजीवन के केंद्र में पैसा आता गया। धन संपदा, संसाधनों पर अधिकार जमाए रखने की वृत्ति बढ़ती गई, समर तीव्र होता गया।

संघर्ष की परिधि बढ़ी तो पत्थर, डंडे से आगे बढ़कर मनुष्य ने तलवारें विकसित की। फिर तो एक दूसरे को मारने- काटने के लिए विनाश का खून मुँह लग गया। गोली-गोले ढाले जाने लगे, मनुष्य द्वारा मनुष्य पर दागे जाने लगे। दो लोगों की सिर फुटव्वल में एक की अधिक हानि होती थी, अब हानि सामूहिक होने लगी। शत्रु का संहार, भीषण नरसंहार में बदलने लगा।

विज्ञान का विकास और विस्तार हुआ। आदमी का आदिम और निखरा। अब 'मास डिस्ट्रक्शन' या बड़ी संख्या में मनुष्य को एक साथ मौत के घाट उतार देने के साधन तैयार हुए।

मनुष्य- मनुष्य में होने वाला संघर्ष, दो समूहों में होने वाले युद्ध से होते हुए विभिन्न राष्ट्रों के आपसी संग्राम तक आ पहुँचा।

फिर उन्नीसवीं सदी आई । बड़ी संख्या में विश्व के राष्ट्र एक दूसरे से उलझे। यह प्रथम विश्वयुद्ध था। इस विश्वयुद्ध ने डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों की बलि ली।

दो दशक बीतते-बीतते, विनाश के अजगर ने फिर अपना मुँह खोला। द्वितीय विश्वयुद्ध आरंभ हुआ। येन केन प्रकारेण विजय प्राप्त करना ही इसका अंतिम ध्येय था। इस बार मनुष्य पर परमाणु बम का परीक्षण किया गया। इस विनाश के साक्ष्य के रूप में पूरे शहर में जलकर खाक हुए और कुछ अधजले पेड़ बचे रहे, बाकी पूरा शहर मर गया।

आदमी के भीतर का आदमी मरता रहा, आज भी मर रहा है। कहा गया कि तीसरा विश्वयुद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा। संसार की महाशक्तियों को लगा कि पहले तेल पर तो आधिपत्य जमा लें, फिर पानी पर सोचा जाएगा।

अस्त्र-शस्त्र अब इतने संहारक हो चले कि एक रात में एक पूरी सभ्यता को नष्ट करने की चेतावनी दी जाने लगी। आदमी के विकराल आदिम को देखते हुए इस चेतावनी के सच सिद्ध होने की आशंका सदा बनी रहती है। आदमी की विडंबना और विसंगति देखिए कि किसी की आशंका, किसी के लिए संभावना भी होती है।

आदमी ने अपनी सूझबूझ से जंगल से महानगर तक यात्रा की। ज़मीन को अपने कब्जे में लिया, अंतरिक्ष को घातक हथियारों से पाट दिया समुद्र के गर्भ में विनाश बो दिया। बाहर से आधुनिक होने की यात्रा में भीतर का आदिम निखरता रहा। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लकड़ियों से लड़ा जाएगा। सभ्यता नष्ट करने का आसुरी उन्माद यह स्थिति ला भी सकता है कि हमारी कथित सभ्य प्रजाति ही नष्ट हो जाए। जब हथियारों के उपयोग से प्रजाति नष्ट हो जाएगी तो नये हथियार ढालने वाले भी नष्ट हो जाएँगे। साधनहीन बचे- खुचे लोग जंगलों में रहने लगेंगे। इसके बाद आगे जब कभी संघर्ष होगा तो फिर वही पत्थर, वही लकड़ियाँ साधन बनेंगे।

आदिम से आदिम की इस यात्रा के असंख्य आयाम हैं। इन आयामों पर हर विचारवान को अपने-अपने ढंग से चिंतन करना चाहिए। इस चिंतन से कोई समाधान निकल कर आ सके तो मनुष्य जाति पर बड़ा उपकार होगा।

बोध कथा

तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त का दरबार लगा हुआ था। सभी सभासद अपनी अपनी जगह पर विराजमान थे। महामन्त्री चाणक्य दरबार की कार्यवाही कर रहे थे। महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज़ एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है; पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हज़ार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उस ने वही प्रश्न अपने गुरू और महामन्त्री चाणक्य से पूछा।

चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो।

चन्द्रगुप्त के पूछने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया।राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है।कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हज़ार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

वीर गाथा

राइफलमैन ज़ाहिद अब्बास मीर : गोलियों की बौछार झेलकर बचाई साथी जवानों की जान

राइफलमैन ज़ाहिद अब्बास मीर का जन्म जम्मू-कश्मीर में हुआ था। मोहम्मद जमाल मीर के बेटे ज़ाहिद अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 5 जैक एलआई में शामिल किया गया था।

ज़ाहिद अब्बास साल 2006 में बांदीपोरा ज़िले में एलओसी के पास तैनात थे। इस इलाके में आतंकवाद की स्थिति गंभीर होती जा रही थी। सात अक्टूबर, 2006 को सेना को जानकारी मिली कि भारी हथियारों से लैस कुछ आतंकवादी पास के जंगल में छिपे हुए हैं।

सूचना का विश्लेषण करने के बाद सेना ने ऑपरेशन शुरू किया। ज़ाहिद अब्बास और साथी जवान पूरी तरह सतर्क थे। उन्होंने आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने जंगल में एक इलाके को घेर लिया। इसके बाद ज़ाहिद और जवान संदिग्ध ठिकाने के करीब पहुंच गए। वहां दो आतंकवादी एक चट्टान के पीछे छिपे हुए थे। उन्होंने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे ज़ाहिद अब्बास गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने जोरदार पलटवार किया। ज़ाहिद अब्बास गोलियों की बौछार झेलते रहे, लेकिन साथी जवानों की जान बचाई। अब जवानों ने जोरदार हमला किया, जिससे आतंकवादियों के पांव उखड़ गए।

कई आतंकवादी गोलीबारी की चपेट में आए और मारे गए। राइफलमैन ज़ाहिद अब्बास आखिरी सांस तक अपने फर्ज के लिए डटे रहे। वे भारत मां के लिए बलिदान हो गए। उन्होंने असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए देशवासियों के लिए एक मिसाल कायम की। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रौद्योगिकी अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, संवैधानिक साधन है : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अब केवल एक प्रशासनिक सुविधा नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संवैधानिक साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा उपकरण है जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करता है, न्याय तक पहुंच का विस्तार करता है और न्यायपालिका को प्रक्रियात्मक रूढ़ियों से ऊपर उठने की अनुमति देता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 'न्यायिक प्रक्रिया के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी न्याय प्रणाली के मूल में एक सरल लेकिन स्थायी वादा निहित है कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसके पास कितने भी साधन या परिस्थितियां हों, निष्पक्ष, समय पर और प्रभावी तरीके से न्याय प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और जितिन प्रसाद की उपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों, न्यायिक अधिकारियों, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और जिला न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय प्रणाली में सुधार का माप इस बात से किया जाता है कि नागरिक, वकील और अन्य हितधारक इससे कितना सार्थक रूप से लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक न्यायालय एक एकीकृत डिजिटल न्यायालय के रूप में कार्य करे, जो न केवल 'हाइब्रिड' सुनवाई सुविधाओं से लैस हो, बल्कि पूरी तरह से कागजी कार्रवाई रहित न्यायालय के रूप में भी कार्य करने में सक्षम हो। प्रौद्योगिकी एक संवैधानिक साधन बन गई है। यह अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं है बल्कि यह एक ऐसा उपकरण है जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करता है, न्याय तक पहुंच का विस्तार करता है और न्यायपालिका को प्रक्रियात्मक रूढ़ियों से ऊपर उठने में सक्षम बनाता है।

मिसरी की अमेरिका यात्रा संपन्न, भारत-अमेरिका परमाणु ऊर्जा और एलपीजी निर्यात में सहयोग को बढ़ाएंगे

वाशिंगटन/भाषा। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ अपनी बैठक में परमाणु ऊर्जा और कोयला गैसीकरण (ठोस कोयले को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए गैस में बदलना) व एलपीजी निर्यात जैसे नए क्षेत्रों में ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मिसरी और राइट के बीच हुई चर्चा का मुख्य विषय ऊर्जा सुरक्षा को आगे बढ़ाना, द्विपक्षीय ऊर्जा व्यापार को गहरा करना और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करने के नए रास्ते तलाशना था। बैठक में मौजूद भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका, असैन्य परमाणु सहयोग के साथ-साथ कोयला गैसीकरण और अमेरिकी एलपीजी निर्यात जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, शुक्रवार को ऊर्जा मंत्री राइट और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ अमेरिका-भारत ऊर्जा सहयोग के भविष्य पर चर्चा करना अच्छा रहा। भारत द्वारा शांति विधेयक पारित किए जाने के बाद हम असैन्य परमाणु क्षेत्र के साथ-साथ कोयला गैसीकरण और अमेरिकी एलपीजी निर्यात जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लिए तैयार हैं।

'सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी एक्ट' (शांति अधिनियम) को भारत के असैन्य परमाणु क्षेत्र में सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है। यह कानून गत दिसंबर से लागू हुआ, जिसने इस क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है। इसके साथ ही 1962 का परमाणु ऊर्जा अधिनियम और 2010 का परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम निरस्त कर दिए गए।

शुक्रवार देर रात गोर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित रिसॉर्ट में मिसरी की मेजबानी की। गोर ने कहा, आज रात मार-ए-लागो में विक्रम मिसरी की मेजबानी करना सुखद रहा। व्यापार और रक्षा से लेकर ऊर्जा तक, भारत और अमेरिका आने वाले महीनों और वर्षों में मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

मिसरी मंगलवार देर रात तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रक्षा, वाणिज्य और विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। मिसरी ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी मुलाकात की।

इस दौरान भारतीय वायुसेना के प्रमुख ए पी सिंह भी अमेरिका यात्रा पर थे और वह बुधवार को कोलोराडो स्प्रिंग्स स्थित पीटरसन स्पेस फोर्स बेस गए। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने ग्रेगरी एम गिलोट (अमेरिकी उत्तरी कमान के कमांडर) के साथ अभियान संबंधी जटिल पहलुओं पर सार्थक विचार-विमर्श किया, जो बढ़ती साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है।

रणवीर सिंह ने की मोहन भागवत से मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणवीर सिंह फिलहाल अपनी लेटेस्ट फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की सक्सेस को इन्जॉय कर रहे हैं। फिल्म अब तक 1671 करोड़ का कलेक्शन जुटाने में कामयाब हुई है। इसी बीच अभिनेता को आरएसएस के हेड क्वार्टर में देखा गया। इस दौरान रणवीर सिंह सिंपल व्हाइट कुर्ता-पजामा में दिखे। रणवीर सिंह हाल ही में नागपुर में आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार गोलवलकर स्मृति स्थल व स्मारक स्थल पहुंचे और फिर मोहन भागवत से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि मुलाकात का यह सिलसिला 4 घंटे तक चला। अभिनेता शाम 4 बजे नागपुर में आरएसएस के हेडक्वार्टर पहुंचे थे और करीब 8 बजे वहां से मुंबई के लिए रवाना हुए थे। हालांकि दोनों के बीच किन विषयों को लेकर बातचीत हुई, यह साफ नहीं हो पाया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस मुलाकात में 'धुरंधर: द रिवेंज' की सफलता और संघ के प्रभावी कामकाज को लेकर विस्तार में बातचीत हुई है।

सोशल मीडिया पर भी अभिनेता के नागपुर जाने और मोहन भागवत से मिलने की फोटो तेजी से वायरल हो रही हैं। इससे पहले अभिनेता संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में रखे गए कार्यक्रम का भी हिस्सा बने थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी वीडियो जारी कर संघ को 100 साल पूरे होने की बधाई दी थी। रणवीर सिंह संघ के कार्य और कार्य करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं।

अभिनेता की 'धुरंधर: द रिवेंज' की वजह से हर तरफ चर्चा हो रही है। फिल्म में अभिनेता की एक्टिंग और एक्शन दोनों की भर-भर कर तारीफ हो रही है। फिल्म का हर किरदार शानदार रहा।

मेकअप में और खराब लगती हूं : नेहा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने शुक्रवार को एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया। नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया। वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, ''मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं।'' इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?

नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म 'चिरुथा' से करियर शुरू किया और बाद में 'क्रूक', 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'यमला पगला दीवाना 2', 'तान्हाजी' और 'जोगीरा सारा रा रा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह 'इल्लिगल' जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

संबोधन

बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह शनिवार को पटना में भाजपा ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडियाकर्मियों को संबोधित करती हुई।

'हर दिन नए विचार' बिग बी ने डिजिटल युग में बढ़ते मानसिक दबाव पर लिखा ब्लॉग

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने ब्लॉग पर एक बहुत ही गहरी और सोचने पर मजबूर करने वाली बात साझा की। उनका कहना है कि आज के इस डिजिटल युग में दुनिया को देखने का नजरिया कितना बदल गया है। जो लोग पुराने समय से लेकर आज तक का बदलाव देख चुके हैं, उनके लिए यह बदलाव एक दिलचस्प लेकिन चुनौतीपूर्ण सफर जैसा है। पहले समय की रफ्तार अलग थी, लोग चीजों को धीरे-धीरे समझते थे। आज सब कुछ तेज है, तुरंत है और लगातार बदल रहा है। उन्होंने लिखा, हर दिन नए विचार और आइडिया लेकर आता है और हर एक को उतनी ही लगन से पूरा करने की चाहत भी होती है। यह सब कुछ एक ही बार में नहीं किया जा सकता, इसलिए आप 'एक समय में एक काम' के सिद्धांत पर चलते हैं। ठीक है, लेकिन मन बार-बार याद दिलाता रहता है कि अभी क्या-क्या करना बाकी है और उससे जुड़ी बेचैनी भी बनी रहती है, तो आप सब कुछ छोड़कर आराम से

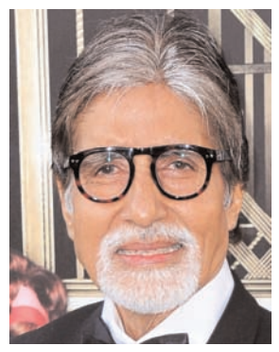

बैठ जाते हैं। इस उम्मीद में कि मन अपनी यह उछल-कूद बंद कर देगा, लेकिन नहीं, ऐसा नहीं होता और इंटरनेट का तूफान जोरों से चलता है, जो आपका ध्यान इतनी सारी चीजों की तरफ खींच लेता है कि यह समझना बहुत मुश्किल हो जाता है कि असली चीज क्या है और कौन सी है? अमिताभ बच्चन ने बताया, जरूरत का जो जरूरी कंटेंट होता है, वह कभी-कभी नजरअंदाज हो जाता है या फिर मन हर चीज पर ध्यान देना चाहता है। अब, हालांकि सही विचारों को खोजने और जवाब ढूंढ़ने के तरीके काफी बेहतर हो गए हैं। जानकारी पाने की रफ्तार अब बस एक बटन दबाने जितनी तेज हो गई है। यह दिमाग के 'सोचने वाले बटन' से नहीं होता, जिसे अब 'नेट' नाम के इस माध्यम ने पीछे छोड़ दिया है और नई-नई जानकारियां हमें मजबूर करती हैं कि हम सबसे नई चीजों के पीछे भागें और पुरानी, ङ्घङ्घजानी-पहचानी चीजों को पीछे छोड़ दें।

वे कहते हैं कि जिन लोगों ने पुराने जमाने को जिया है और अब बिल्कुल अलग तरीकों को देखकर हैरान रह जाते हैं, उनके लिए यह समय की एक दिलचस्प कहानी है। 'समय' हमेशा से ही एक भरोसेमंद और अहम चीज रहा है और यह अपने साथ एक सुखद पुरानी यादें भी लेकर आता है, जिसे सिर्फ वही लोग समझ सकते हैं जिन्होंने उस पुराने दौर को जिया है। आज के जमाने के लिए शायद यह बात उतनी मायने नहीं रखती। वे तो बस 'अभी' में ही डूबे रहते हैं, ठीक वैसे ही जैसे हम अपने जमाने में डूबे रहते थे, जब हम उनकी उम्र के थे और नई-नई खोजों और निर्देशों का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कितना दिलचस्प है यह सब।

बचाव

सूरत में शनिवार को महिलाएं चिलचिलाती गर्मी से खुद को बचाते हुए।

बिहू डांस

असम की लड़कियों ने असम के नागांव जिले में नौगोंग यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित रोंगाली बिहू फेस्टिवल के हिस्से के रूप में बिहू डांस करती हुई।

पहले ही इम्प्रेशन में बाज़ी मार गए एटली

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई एटली की फिल्म 'राका' के ऐलान के साथ ही सोशल मीडिया पर उत्साह की लहर दौड़ गई है। अपनी सिग्नेचर स्केल और इम्पैक्टफुल स्टोरीटेलिंग के लिए पहचाने जाने वाले एटली ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। घोषणा के कुछ ही पलों में दर्शकों ने अपनी प्रतिक्रियाएं साझा करनी शुरू कर दीं, जहां कई लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि एटली हमेशा सीमाओं से आगे सोचते हैं। एक यूज़र ने लिखा, एटली, 'राका' के साथ ग्लोबल स्टेज सेट कर रहे हैं और यह एक जबरदस्त सफर होने वाला है। उनका विज़न पहले से भी कहीं बड़ा है! इस कमेंट के ज़रिए इस बात का पता आसानी से लगाया जा सकता है कि फिल्म को लेकर शुरुआती माहौल बन चुका है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर एटली की वर्ल्ड-बिल्डिंग को लेकर एक कॉमन थीम देखने को मिली। एक ट्वीट में लिखा गया है, एटली को सबसे अलग बनाती है उनकी वर्ल्ड-बिल्डिंग। 'राका' सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि एक ऐसा सिनेमैटिक वर्ल्ड है, जो बेहद रॉ और असली महसूस होता है।

फिलहाल इस ट्वीट से ये बात साफ़ हो जाती है कि शुरुआती झलक ने ही दर्शकों को 'राका' के स्केल और इमर्शन का एहसास करा दिया है। फिलहाल अल्लू अर्जुन के साथ उनकी यह कोलैबोरेशन भी बज़ को और बढ़ा रही है, जहां फैंस स्टार के एक नए अवतार की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही, कई लोगों ने एटली की उस क्षमता की भी तारीफ की, जिसमें वे बिना ज्यादा एक्सपोज़र के भी बड़ा इम्पैक्ट क्रिएट करते हैं। एक यूज़र ने लिखा, एटली के साथ हमेशा शोर से ज्यादा इम्पैक्ट मायने रखता है और 'राका' ने वो इम्पैक्ट पहले ही दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि 'राका' को पहले से ही एक ग्लोबल एम्बिशन वाली फिल्म के तौर पर देखा जा रहा है और इसके मद्देनज़र एक और यूज़र ने लिखा है, एटली ग्लोबल स्टेज सेट कर रहे हैं और 'राका' के साथ वह अपनी पिछली सभी फिल्मों से भी बड़े स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य रख चुके हैं। यह वाकई बहुत बड़ा होने वाला है! कई नेटिज़न्स ने एटली के मजबूत फर्स्ट इम्प्रेशन्स की भी सराहना की है।

एक ट्वीट में कहा गया है, राका' के ऐलान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि एटली पहले इम्प्रेशन के किंग क्यों हैं। इसकी मिस्ट्री, फर और दांत जैसे डिटेल्स, इन सबने मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाई है, जो दिल से लोकल लगती है, लेकिन असर में पूरी तरह ग्लोबल है।। ओवरऑल सेंटिमेंट को समेटते हुए एक यूज़र ने लिखा है, एटली जो भी बनाते हैं, उसमें एक बड़ा और भव्य एहसास होता है। 'राका' पहले से ही एक ऐसे सिनेमैटिक इवेंट की तरह लग रही है, जो दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ने वाली है। फिलहला जैसे-जैसे चर्चाएं तेज हो रही हैं, दर्शकों की जिज्ञासाएं और बढ़ रही हैं क्योंकि शुरुआत में ही 'राका' ने एक मजबूत छाप छोड़ दी है, जो एटली की उस पहचान को और मजबूत करती है, जहां वे स्केल, इमोशन और ग्लोबल अपील को बेहतरीन तरीके से साथ लाते हैं।

सुनील लहरी ने नितेश तिवारी की 'रामायण' के ऐतिहासिक फिल्म बनने की जताई उम्मीद

मुंबई/भाषा। रामानंद सागर के ऐतिहासिक टीवी सीरियल 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सुनील लहरी ने यह उम्मीद जताई है कि नितेश तिवारी की 'रामायण' एक ऐतिहासिक फिल्म साबित होगी और पौराणिक महाकाव्य को सबसे उपयुक्त तरीके से प्रस्तुत करेगी।

फिल्म 'दंगल' के निर्देशक नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, रवि दुबे भगवान लक्ष्मण, साई पल्लवी देवी सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

लहरी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुझे टीज़र में कुछ चीजें पसंद आईं और कुछ नापसंद। मैं बस यही कामना और आशा कर सकता हूं कि वे हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक फिल्म बनाएं, जो हमारी संस्कृति को सही ढंग से प्रस्तुत कर सके। उन्होंने कहा कि कपूर एक 'समझदार और संवेदनशील' अभिनेता हैं लेकिन उन्हें लगता है कि उनके अभिनय में भगवान राम वाली 'मासूमियत' की कमी है। उन्होंने कहा, रणबीर निसंदेह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। वह निश्चित रूप से बहुत अच्छा करेंगे। लेकिन क्या दर्शक उन्हें राम के रूप में स्वीकार करेंगे, यह सवाल है। उन्होंने कहा, जब रणबीर के उजाले में कदम रखने वाले दृश्य में उनकी पहली झलक में जो मासूमियत होनी चाहिए थी, वह गायब थी। मुझे वह पसंद नहीं आया, मासूमियत गायब थी। लहरी ने टीजर में दिखाए गए इफेक्ट्स को अच्छा बताया है लेकिन राक्षसों के चित्रण पर निराशा व्यक्त की है।

यह फिल्म 2026 में दिवाली के अवसर पर रिलीज की जाएगी।

लहरी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वे कोई बड़ी गलती नहीं करेंगे। अगर उन्हें लगता है कि वे खुद को अलग दिखाना चाहते हैं और कुछ ऐसा करना चाहते हैं जिससे लोग 'वाह' कहें, तो उन्हें समझना चाहिए कि 'वाह' (दृश्यों के संदर्भ में) यहां काम नहीं करता।

उन्होंने 'रामायण' के सेट पर काम करने की कठिन परिस्थितियों को याद करते हुए कहा, हमने जो बनाया वह बहुत ही साधारण था। हो सकता है कि उसका प्रभाव उतना दमदार नहीं रहा हो, लेकिन वास्तविकता के काफी करीब था। पोशाकों को देखिए, मुकुट ठोस पीतल के बने थे, वे काफी भारी थे। 'रामायण' का निर्माण नमित मल्होत्रा के 'प्राइम फोकस स्टूडियोज' और डीएनईजी तथा यश के 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स' के सहयोग से किया जा रहा है।

'गिन्नी वेड्स सनी-2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई । अविनाश तिवारी और मेधा शंकर अभिनीत रोमांटिक फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी-2' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया। यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा का मिश्रण है, जिसके ट्रेलर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। 2 मिनट 36 सेकंड के ट्रेलर में अविनाश पहलवान के रोल में नजर आ रहे हैं, तो मेधा मॉडर्न लड़की की भूमिका में हैं।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि अविनाश के पहलवानी और दुकान के काम के कारण रिश्तों में अड़चनें आती हैं। मेधा शंकर काफी मॉडर्न हैं और कॉल सेंटर में काम करती हैं, जिसके कारण उसे सही रिश्ता नहीं मिल पाता। इसमें दोनों के माता-पिता एक योजना बनाते हैं। वे अपने बच्चों की सच्चाई बताए बिना शादी तय कर देते हैं। शादी से पहले अविनाश और मेधा एक-दूसरे से झूठ बोलते हैं, जहां मेधा सीधी-सादी लड़की का लुक अपनाती है, जबकि अविनाश बताता है कि उनका एक स्टार्टअप है, लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब दोनों को एक-दूसरे की सच्चाई पता चल जाती है।

ट्रेलर में अविनाश पहलवानी के अंदाज में ताकतवर और मजाकिया दिख रहे हैं, तो वहीं मेधा शंकर का मॉडर्न स्टाइल और कॉन्फिडेंस स्क्रीन पर खूब छा रहा है। फिल्म रोमांटिक कॉमेडी के साथ-साथ पारिवारिक रिश्तों की नोक-झोंक और भावनाओं को भी अच्छे से दिखाती है।

रोमांटिक-कॉमेडी सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जी स्टूडियोज की फिल्म है। इसके निर्माता विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल हैं। इसमें प्रशांत झा ने लेखन और निर्देशन किया है। फिल्म में मेधा और अविनाश के अलावा, लिलेट दुबे, सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव, और अन्य कलाकार नजर आएंगे। फिल्म 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह फिल्म साल 2020 में आई विक्रांत मैसी और यामी गौतम की 'गिन्नी वेड्स सनी' का सीक्वल है। फिल्म का निर्देशन पुनीत खन्ना ने किया था। यह फिल्म दिल्ली के बैकग्राउंड पर आधारित थी, जिसमें एक सुलझी हुई लड़की (गिन्नी) और एक बेताब प्रेमी (सनी) की कहानी को दिखाया गया था।

जीवन की सफलता नहीं, सार्थकता है सर्वोपरि : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री चंद्रप्रभु नया मंदिर जैन ट्रस्ट में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी ने साहुकारपेट स्थित आराधना भवन में आयोजित त्रिदिवसीय प्रवचन श्रृंखला के दूसरे दिन प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए 'माई श्री टारगेट' विषय पर प्रवचन दिए। आचार्यश्री ने मानव जीवन की महत्ता का वर्णन करते हुए कहा कि शास्त्रों में मानव जन्म को सर्वोत्तम बताया गया है। यह केवल श्रेष्ठ नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ और असाधारण है। किंतु महत्वपूर्ण यह नहीं कि हमें क्या मिला है, बल्कि यह है कि हम उसका उपयोग कैसे करते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि कोहिनूर हीरे जैसी अमूल्य वस्तु का भी यदि उपयोग तुच्छ कार्य में हो, तो उसका मूल्य समाप्त हो जाता है। उसी प्रकार जीवन में प्राप्त साधनों का सदुपयोग ही वास्तविक सार्थकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि धन प्राप्त होना सफलता हो सकती है, परंतु उसका सदुपयोग करना ही सार्थकता है। विज्ञान गरीब को अमीर बना सकता है, लेकिन अमीर को उदार नहीं बना सकता, इसलिए जीवन में यह निर्णय आवश्यक है कि हमें केवल सफलता चाहिए या सार्थकता।

'माई श्री टारगेट' के अंतर्गत आचार्यश्री ने जीवन के तीन महत्वपूर्ण विकल्प बताए। पहला 'टू गेट गुड' अर्थात् अच्छा प्राप्त करना। उन्होंने प्रभावशाली ढंग से बताया कि मनुष्य की प्रवृत्ति अच्छी चीजें पाने और अच्छा दिखने की होती है, परंतु यह चाहत अनेक समस्याओं को जन्म देती है। एक रोचक उदाहरण के माध्यम से उन्होंने समझाया कि छोटी-सी आवश्यकता (लंगोट) को बचाने के प्रयास में व्यक्ति कैसे जटिलताओं में उलझ जाता है और उसकी साधना तक प्रभावित हो जाती है। दूसरा 'टू डू गुड' अर्थात् अच्छा करना। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल पाना नहीं, बल्कि अच्छा करना होना चाहिए। संपत्ति मिले तो दान करें, नेत्र मिले तो प्रभु दर्शन करें और जो भी मिला है उसका सदुपयोग करें। साधर्मिक भक्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जिस संघ के आधार पर हम साधना करते हैं, उसके प्रति भी वैसी ही श्रद्धा और सेवा भावना होनी चाहिए, जैसी अपने स्वजनों के प्रति होती है।

उन्होंने जीवन को तीन पन्नों की डायरी बताते हुए कहा कि जन्म और मृत्यु भगवान द्वारा लिखे गए हैं, लेकिन बीच का पन्ना खाली है, उसे हमें अपने कर्मों से भरना है।

तीसरा 'टू बी गुड' अर्थात् स्वयं अच्छा बनना। उन्होंने समझाया कि अच्छी वस्तु मिलना 'टू गेट गुड' है, उसका सही उपयोग 'टू डू गुड' है और स्वयं का स्वभाव सुधारकर अच्छा बन जाना 'टू बी गुड' है। क्रोध पर नियंत्रण के लिए उन्होंने तीन 'डी' डिले (धैर्य), डिस्टेंस (दूरी) और डोनेशन (क्षमा) को अपनाने की प्रेरणा दी। भगवान महावीर के जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने उपसर्ग करने वालों को भी क्षमा कर दिया, जो 'टू बी गुड' का सर्वोच्च उदाहरण है।

विद्यार्थियों को डिग्री के साथ जिम्मेदारी, राष्ट्रमूल्य और प्रतिभा का भी ख्याल रखना होगा : रजिस्ट्रार

अग्रसेन कॉलेज़ का 22 वाँ ग्रेजुएशन-डे सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज माधावरम ने अपना 22वाँ स्नातक दिवस (दीक्षांत समारोह) धूमधाम से मनाया जिसमे कुल 281 स्नातकों, 20 परास्नातकों को उनकी डिग्री प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में मद्रास यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ रीता जान ने कहा कि आज का दिन किसी भी स्नातक के लिए खुशी का दिन होता है। तीन वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद दीक्षांत समारोह में यह राष्ट्रीय डिग्री हाथ में आती है। स्नातक के माता-पिता भी इस दिन अपने बच्चों पर गर्व करते है। पर डिग्री मात्र ले लेने से शिक्षा का कार्य पूरा नहीं हो जाता। आज के विद्यार्थियों को डिग्री के साथ साथ जिम्मेदारी राष्ट्रीय मूल्य और विषय का ज्ञान प्रतिभा भी साथ रखना होगा। उन्होंने बताया की जिस तरह टेक्नॉलॉजी विकसित हो रही है उस परिवेश मे प्रतिभा का होना बहुत जरूरी है। आज एआई का जमाना है , कल बीआई भी आ सकता है। ऐसे में प्रतिभा ही जीवन में काम आएगी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कालेज प्रबंधन समिति को बधाई देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की मद्रास यूनिवर्सिटी की योजना को अपना रहा है जो कि अनुकरणीय है। उन्होंने मद्रास विश्व विद्यालय की उपलब्धियों की भी चर्चा की। सचिव हरीश कुमार सांघी ने ग्रेजुएशन डे को ओपन करने की अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि हम अपने छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। संयुक्त सचिव हरीश कुमार लोहिया, सभापति आदित्य अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बाल गोविंद गुप्ता, डॉ ललिता बालकृष्णन ने भी सभी स्नातकों को बधाई दी। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने सभी का स्वागत करते हुए वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। उपप्राचार्या डॉ टीएस उमा माहेश्वरी ने धन्यवाद दिया।

दो दिवसीय 'काहोकॉन' के दसवें संस्करण का हुआ शुभारंभ

सम्मेलन में उच्च स्तरीय वैज्ञानिक सत्र, पैनल चर्चाएँ, नवाचार प्रदर्शन और पारस्परिक नेटवर्किंग हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य संगठनों के संघ (सीएएचओ) द्वारा आयोजित भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता सम्मेलन 'काहोकॉन-2026' के 10वें संस्करण का उद्घाटन भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में उच्च स्तरीय वैज्ञानिक सत्र, पैनल चर्चाएँ, नवाचार प्रदर्शन और पारस्परिक नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में शोधकर्ताओं और चिकित्सकों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल है। इस कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संगीता रेड्डी ने मुख्य भाषण दिया, जबकि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थ केयर (आईएसक्यूए) के अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य डॉ. इजेक्रिएल गार्सिया एलोरियो, सीएएचओ के अध्यक्ष डॉ. विजय अग्रवाल और महासचिव डॉ. लल्लू जोसेफ सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

काहोकॉन 2026 आयोजन के अध्यक्ष डॉ. नल्ला पलानीस्वामी ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। सचिव डॉ. सतीश देवदास ने धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में पच्चीस सौ से अधिक स्वास्थ्य पेशेवर, चिकित्सक, प्रशासक और नीति निर्माता सहित 200 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी ने रोगी सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता, मान्यता और डिजिटल परिवर्तन में हुई प्रगति पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के साथ-साथ, इस आयोजन में 200 से अधिक स्टालों वाली एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें अग्रणी चिकित्सा उपकरण निर्माताओं, डिजिटल स्वास्थ्य कंपनियों, दवा कंपनियों और सेवा प्रदाताओं के अत्याधुनिक उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वेंकैया नायडू ने कहा कि सरकारों को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के निर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो सके और यह निःशुल्क होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में बीमा कवरेज में सुधार हुआ है, फिर भी बड़ी संख्या में मरीज अपनी जेब से खर्च करते हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और वहनीयता से मौजूद कमियों को दूर करने और उन्हें अधिक कुशल और व्यापक स्तर पर पहुंचाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना भी महत्वपूर्ण है, जिसमें निवारक देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाए जो दीर्घकालिक रूप से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस कार्यक्रम में गुणवत्ता संवर्धन केंद्रों के शुभारंभ और मानव संसाधन, संक्रमण रोकथाम नियंत्रण और व्यावसायिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में नए सीएएचओ मंचों की घोषणा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सीएएचओ और भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किया गया।

'दि आर्ट ऑफ़ लिविंग-गरिमापूर्ण बुढ़ापा' में सैंकड़ों लोगों ने सीखे स्वस्थ रहने के गुर

ब्यावर संघ द्वारा 'स्वस्थ जीवन' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ की ओर से 'स्वस्थ जीवन जीने की कला' विषय पर 'दि आर्ट ऑफ़ लिविंग-गरिमापूर्ण बुढ़ापा' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। ब्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने उपस्थित जनों का स्वागत किया।उन्होंने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में मुख्य वक्ता उज्जैन निवासी प्रशिक्षक 'स्वर्गीय' अरुण ऋषि का परिचय देते हुए बताया कि 'स्वर्गीय' अपने 73 वर्षों के जीवन में कभी बीमार नहीं पड़े और पिछले 46 वर्षों में उन्होंने कोई दवा भी नहीं ली है। इसका श्रेय उनकी रसायन-मुक्त और अनुशासित जीवनशैली को जाता है। मुख्य सचिव रूपचंद कुमट ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। हमें प्रतिदिन व्यायाम और वॉकिंग करनी चाहिए। इस कार्यक्रम के प्रायोजक दिनेश एसोसिएट्स के दिनेश नीतू लोढ़ा थे। ङ्कप्रशिक्षक अरुण ऋषि 'स्वर्गीय' ने बताया कि मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय करने के लिए प्रतिदिन 15 सेकंड तक ताली बजानी चाहिए। रसायन-युक्त उत्पादों, चाय, कॉफ़ी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, तंबाकू, धूम्रपान और शराब से परहेज़ करना चाहिए। हल्दी, नमक, सरसों का तेल, नारियल का तेल, दही और तांबे या मिट्टी के बर्तनों में रखे पानी जैसे पारंपरिक घरेलू पदार्थों का उपयोग करना ठीक रहता है। त्वचा में चमक लाने के लिए नहाते समय पैरों के तलवों को 'प्यूमिक स्टोन' (झामक पत्थर) या मिट्टी के पत्थर से रगड़ने से शरीर की मृत कोशिकाएं निकल जाती है। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाकर और हाथों व पैरों के विशिष्ट बिंदुओं को दबाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं। हमें वज्रासन या उकड़ू मुद्रा में बैठकर भोजन करना, भोजन को 40 बार चबाकर खाना, भोजन करते समय बातचीत करने या मोबाइल का उपयोग करने से बचने की सलाह दी।

सामाहिक उपवास रखना या केवल फलों पर आधारित आहार लेना भी सेहतमंद रहने में सहायक है। रात को सोने से पहले बालों, पिंडलियों और पैरों के तलवों की नियमित रूप से तेल से मालिश करने से शरीर में रक्तप्रवाह अबाध रहता है। हमें 35 वर्ष की आयु के बाद दूध के बजाय सात्विक भोजन और दही को प्राथमिकता देना चाहिए। पाचन क्रिया को बेहतर बनाने के लिए पानी हमेशा बैठकर और धीरे-धीरे पीना ठीक रहता है। इसके अलावा उन्होंने स्वस्थ रहने के अनेक गुर बताए।ङ्ककार्यक्रम की संयोजिका संगीता पारख, मोनिका कुमट ने कहा कि वक्ता ने एक दार्शनिक विचार के साथ अपनी बात समाप्त की कि जो व्यक्ति अपने जीवन को स्वर्ग जैसा बना लेता है, वही वास्तव में 'स्वर्गीय' बन जाता है। अंत में जिया हिंगड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

'मातृछाया' की सदस्याओं ने पालीताणा तीर्थ में किए अनेक सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तीर्थाधिराज पालीताणा महातीर्थ की धरा पर जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा श्रद्धा व मानवसेवा के अनेक कार्य सम्पन्न हुए। आचार्यश्री जिनेंद्रप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत संगठन की सदस्याओं ने मानव परिवार सेवा ट्रस्ट, भगिनी वृद्ध आश्रम एवं समर्पण सेवा वृद्ध आश्रम सहित अनेक आश्रमों में जाकर खाद्य सामग्री, जरूरतपूर्ति वस्तु सामग्री एवं नकद राशि का चेक भेंट कर सेवा की। सात दिवसीय सेवा यात्रा में मातृछाया की लगभग 30 सदस्याओं ने छोटे-छोटे सहयोग से एकत्रित राशि को जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित किया।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी के निर्देशन में, अध्यक्ष ललित नागोरी के नेतृत्व में यह आयोजन संपन्न हुआ।

इस मौके पर संस्था की अनेक सदस्याओं ने समर्पित भावना और उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। महिलाओं ने जीवदया, मानवसेवा, साधर्मिक भक्ति, प्रभु भक्ति जैसे अनेक सेवा कार्य किए।

जहां अनुशासन नहीं, वहां होती है अव्यवस्था और मनमानी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शनिवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि परिवार और समाज में अनुशासन तथा नैतिकता को सर्वाधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इनसे मनुष्य का जीवन सुरक्षित रहता है और भलीभांति निखरता है। जहां अनुशासन नहीं होता, वहां अव्यवस्था और मनमानी होती है। पूरा तंत्र वहां स्वतंत्र ही नहीं, स्वच्छंद हो जाता है। मर्यादायों के रूप में वहां कुछ भी देखने को नहीं मिलता। नैतिकता भी जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। जहां नीति है, वहां धर्म है। जहां अनीति है, वहां निपट अधर्म है। जो लोग धर्म की बातें करते हैं, उन्हें पहले नैतिकता की तलाश और उसका जतन करना चाहिए।ङ्क जैनाचार्य ने कहा कि आज दुनिया में ज्यादातर लोग पढ़ाई, पैसे, सफलता और सुख-शांति की बातें करते हैं, लेकिन अनुशासन और नैतिकता को अक्सर महत्व नहीं देते। जबकि सच्चाई यह है कि बिना अनुशासन व नैतिकता के कैसा विकास होगा? उस विकास में सुख, शांति और शकुन के क्या मायने होंगे? आज किशोर व युवावर्ग में इन तथ्यों पर कोई चिंतन-मंथन नहीं होता। डिग्री, प्रोफेशन और कैरियर ही उनकी वैचारिक भूमिका में सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं और जो तत्व जीवन कल्याण के लिए अमूल्य हैं, उनको गौण बना दिया गया है। आज बिखरते परिवारों, सिमटते रिश्तों और छिन्नभिन्न होती सामाजिक व्यवस्थाओं का यही मूल कारण है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रारंभ से हर घर, जीवन, समाज और व्यवहार में अनुशासन को लागू करना चाहिए और नैतिक मापदंड मजबूती से स्थापित किए जाने चाहिए, उसमें कोई पक्षपात या भाई भतीजावाद नहीं होना चाहिए। वाणी, विचार, व्यवहार, सलाह, निर्णय, रिश्ते, व्यापार, नौकरी, लेनदेन, पदाधिकार, पर्यावरण, सभी में सही नीति-रिति ही लागू करनी चाहिए। ऐसा समाज ही धरती पर स्वर्ग उतार सकता है।प्रवचनसभा के पश्चात आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणजन नाकोड़ा जैन संघ में पहुंचे जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उनका भावभीना स्वागत किया। दोपहर को महिला मंडलों की चिंतन सभा का आयोजन हुआ। जैनाचार्य ने खानपान की शुद्धता, कन्याओं की सुरक्षा, वैवाहिक संबंधों की अटूटता तथा विवादों के समय मीडियेटर की कार्ययोजना पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

जहां अनुशासन नहीं, वहां होती है अव्यवस्था और मनमानी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शनिवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि परिवार और समाज में अनुशासन तथा नैतिकता को सर्वाधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इनसे मनुष्य का जीवन सुरक्षित रहता है और भलीभांति निखरता है। जहां अनुशासन नहीं होता, वहां अव्यवस्था और मनमानी होती है। पूरा तंत्र वहां स्वतंत्र ही नहीं, स्वच्छंद हो जाता है। मर्यादायों के रूप में वहां कुछ भी देखने को नहीं मिलता। नैतिकता भी जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। जहां नीति है, वहां धर्म है। जहां अनीति है, वहां निपट अधर्म है। जो लोग धर्म की बातें करते हैं, उन्हें पहले नैतिकता की तलाश और उसका जतन करना चाहिए।ङ्क जैनाचार्य ने कहा कि आज दुनिया में ज्यादातर लोग पढ़ाई, पैसे, सफलता और सुख-शांति की बातें करते हैं, लेकिन अनुशासन और नैतिकता को अक्सर महत्व नहीं देते। जबकि सच्चाई यह है कि बिना अनुशासन व नैतिकता के कैसा विकास होगा? उस विकास में सुख, शांति और शकुन के क्या मायने होंगे? आज किशोर व युवावर्ग में इन तथ्यों पर कोई चिंतन-मंथन नहीं होता। डिग्री, प्रोफेशन और कैरियर ही उनकी वैचारिक भूमिका में सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं और जो तत्व जीवन कल्याण के लिए अमूल्य हैं, उनको गौण बना दिया गया है। आज बिखरते परिवारों, सिमटते रिश्तों और छिन्नभिन्न होती सामाजिक व्यवस्थाओं का यही मूल कारण है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रारंभ से हर घर, जीवन, समाज और व्यवहार में अनुशासन को लागू करना चाहिए और नैतिक मापदंड मजबूती से स्थापित किए जाने चाहिए, उसमें कोई पक्षपात या भाई भतीजावाद नहीं होना चाहिए। वाणी, विचार, व्यवहार, सलाह, निर्णय, रिश्ते, व्यापार, नौकरी, लेनदेन, पदाधिकार, पर्यावरण, सभी में सही नीति-रिति ही लागू करनी चाहिए। ऐसा समाज ही धरती पर स्वर्ग उतार सकता है।प्रवचनसभा के पश्चात आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणजन नाकोड़ा जैन संघ में पहुंचे जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उनका भावभीना स्वागत किया। दोपहर को महिला मंडलों की चिंतन सभा का आयोजन हुआ। जैनाचार्य ने खानपान की शुद्धता, कन्याओं की सुरक्षा, वैवाहिक संबंधों की अटूटता तथा विवादों के समय मीडियेटर की कार्ययोजना पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वामी दर्शन

बेंगलूरु के जडे मुनेश्वरा स्वामी देवस्थान ट्रस्ट द्वारा मुनेश्वरा ब्लॉक स्थित मुनेश्वरा स्वामी देवस्थान में 54वां जात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विशेष अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने भगवान मुनेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मंदिर के प्रमुख पुजारी गोविंदराज एवं भाग्यम्मा ने मुणोत को सम्मानित किया।

साध्वी पावनप्रभा 24 को बेंगलूरु में करेंगी प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री पावनप्रभाजी आगामी चातुर्मास करने बेंगलूरु गांधीनगर भवन आ रही हैं। विहार करते हुए साध्वीजी का 24 अप्रैल को बेंगलूरु प्रवेश होगा। प्रवेश के कार्यक्रम लिए तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली एवं सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने मंड्या के पास साध्वीश्रीजी के दर्शन कर आगामी विहार एवं कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। शनिवार को साध्वीश्री गवरीपुरा से 11 किमी का विहार कर थूबिन्नकेरे पहुंचीं। रास्ते की सेवा में तेरापंथ सभा के सेवा संयोजक आलोक कुंडलियां, युवक परिषद से जितेंद्र धोका, चेतन सेठिया,प्रवीण सिंघी आदि श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.